Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर , वर्ष 18,अंक -315 मंगलवार ,20 सितम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

प्रयत्न देवता है और भाग्य दैव्य। इसलिए प्रयत्नदेव की उपासना करनी चाहिए।

-समर्थ गुरू रामदास-

संक्षिप्त समाचार

खुशखबरीःकर्मचारियों की होगी बल्ले-बल्ले,राज्य सरकार देने जा रही दिवाली बोनस

भोपाल, 19 सितम्बर 2022। राज्य सरकार दिवाली से पहले कर्मचारियों को बड़ी सौगात दे सकती है। रिपोर्ट्स की मानें तो शिवराज सरकार दीपावली से पहले 12 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ा सकती है। इसका लाभ मध्यप्रदेश के 4 लाख से ज्यादा पेंशनरों को मिलेगा।

हालाँकि इस रास्ते में छत्तीसगढ़ सरकार रोड़ा बन रही है। पड़ोसी राज्य की सहमति के बाद दिवाली से पहले शिवराज सरकार कर्मचारियों को तौहफा दे सकती है। बढ़े हुए महंगाई भत्ते को मध्यप्रदेश सरकार ने सहमति दे दी है, लेकिन इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार की सहमती जरूरी है। इसलिए शिवराज सरकार ने छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार से सहमति मांगी है।

छत्तीसगढ़ सरकार से सहमति मांगने के पीछे वजह यह है कि राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2 की धारा 49 उसी में यह प्रावधान है कि दोनों राज्यों से संबंधित वित्तीय मामलों में एक दूसरे की सहमति काफी जरूरी है। अगर छत्तीसगढ़ सरकार सहमति दे देती है तो मध्यप्रदेश के पेंशनरों को 12 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने का रास्ता साफ हो जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि दीपावली से पहले शिवराज सरकार पेंशनरों को मंहगाई भत्ता देने पर मुहर लगा सकती है।

पत्नी के साथ स्टेशन पर हुआ विवाद, पति ने गुस्से में ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

नोएडा, 19 सितम्बर 2022। पत्नी से झगड़ा होने के बाद नोएडा की गोल्फ सिटी मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति ने सुसाइड कर लिया. मिली जानकारी के मुताबिक, घटना सोमवार सुबह करीब 8ः40 की है. सूचना मिलने के बाद नोएडा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यक्ति के शव को निकाला और उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, व्यक्ति की उम्र करीब 47 वर्ष है और उसकी पहचान राजेश के रूप में हुई है और वह हरियाणा का रहने वाला बताया जा रहा है. जांच में पता चला है कि राजेश अपनी पत्नी के साथ अपने घर जा रहा था. तभी गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन पर पति और पत्नी में किसी बात को लेकर बहस शुरू हो गई. बहस इतनी ज्यादा बढ़ गई कि राजेश ने सामने से आ रही मेट्रो के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली।

भारत ने रूस के साथ रिश्तों में रखा देशहित के साथ विश्व कल्याण का भी ध्यान

दोनों मोर्चो पर दिखाई समझदारी

नई दिल्ली, 19 सितम्बर 2022। शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन भले ही खत्म हो गया है लेकिन इसकी गूंज अब भी बरकरार है। इसमें पीएम नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से यूक्रेन युद्ध पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सामने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है उसने भारत को लेकर इस मुद्दे पर स्थिति को काफी स्पष्ट कर दिया है। भारत ने इस सम्मेलन में दिए पीएम मोदी के भाषण के बाद यूएन में भी यूक्रेन का साथ देते हुए उसके पक्ष में वोटिंग की।

यूक्रेन का दिया साथ

ये वोटिंग इस आम सभा में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के वर्चुअल भाषण को लेकर हुई थी। गौरतलब है कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद भारत ने इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि रूस से उसके संबंध खराब न हों। यही वजह थी कि भारत ने यूएन सुरक्षा परिषद में हर बार रूस के खिलाफ हुई वोटिंग से बाहर रहना ही स्वीकार किया।

भारत ने बेहतर कूटनीति का दिया परिचय

भारत ने दरअसल, इस मोर्चे पर जिस कूटनीति का परिचय दिया है वो वास्तव में तारीफ के ही काबिल है। इस दौरान जब रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों के चलते विश्व के कई देशों ने उससे कन्नी काट ली थी तब भारत ने न सिर्फ रूस से सस्ती दरों पर तेल खरीदा बल्कि उसकी हिस्सेदारी भी बढ़ाई। सरकारी आंकड़े इस बात की तस्दीक कर रहे हैं। इस तरह से भारत ने रूस को दो मोर्चों पर एक साथ साधने में सफलता हासिल की। इस दौरान रूस से हुए व्यापार की वजह से भारत को मुनाफा भी हुआ है। ये मुनाफा सस्ती दर पर तेल खरीद से हुआ है।

रूस से खरीदा सस्ती कीमत पर तेल

रूस पर लगे प्रतिबंधों के बाद भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा। इस तरह से रूस के लिए चीन के बाद भारत उसके तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीददार बन गया। इस युद्ध की शुरुआत के दौरान भारत अपने कुल आयात का सिर्फ 1 फीसद तेल ही रूस से खरीद रहा था। लेकिन प्रतिबंधों के बाद ये बढ़कर बीते सात माह में करीब 12 फीसद तक हो गया है। इस वर्ष जुलाई में सऊदी अरब के बाद रूस भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक बन गया था।

भारत को तेल निर्यात करने वाला तीसरा सबसे बड़ा सप्लायर बना रूस

अगस्त में इसमें कुछ गिरावट जरूर दिखाई दी थी जिसके चलते रियाद दूसरे और रूस तीसरे नंबर पर भारत के लिए सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया था। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से जुलाई के बीच भारत ने रूस से बीते साल की इसी अवधि के मुकाबले 8 गुना अधिक का तेल आयात किया है। भारत ने रूस पन लगे प्रतिबंधों का पूरा फायदा उठाया जिसकी वजह से उसको सस्ता तेल मिला। बता दें कि भारत अपनी जरूरत का करीब 80 फीसद से अधिक तेल बाहरी दुनिया से आयात करता है।

सपना चौधरी को कोर्ट ने हिरासत में लिया,धोखाधड़ी के मामले में डांसर ने किया सरेंडर

नई दिल्ली, 19 सितम्बर 2022। हरियाणवी डांसर सपना चौधरी ने आज कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। जानकारी के अनुसार एसीजेएम कोर्ट ने सपना चौधरी को सरेंडर के उपरांत कस्टडी में ले लिया।

जारी किया गया था जमानती वारंट

सपना चौधरी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया गया था, जिसके चलते उनको कोर्ट में पेश होना था, लेकिन पिछली 6 तारीख को कोर्ट में पेश होने से पूर्व जज शांतनु त्यागी आपात छुट्टी पर चले गए थे। इसकी वजह से बेंच नहीं बैठी। बता दें कि सपना चौधरी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था और इसी के चलते ये कार्रवाई हुई है। लेकिन कुछ ही देर बाद सपना का वारंट वापस ले लिया गया और उसे कोर्ट ने कस्टडी से मुक्त कर दिया है। कोर्ट ने सपना चौधरी का वारंट इस शर्त पर खत्म किया कि कोर्ट में वो पेश होकर सहयोग करेंगी। जिसके बाद अब मामले में अगली सुनवाई अब 30 सितंबर को होगी।

गौरतलब है कि 2018 के अक्टूबर में लखनऊ के स्मृति उपवन में सपना चौधरी का कार्यक्रम था। लोगों ने कार्यक्रम को देखने के लिए ऑफलाइन और ऑनलाइन 300 रुपए दिए थे, लेकिन सपना चौधरी उस कार्यक्रम में नहीं पहुंची थीं। इसके बाद लोगों ने हंगामा काटा और फिर मामला कोर्ट में जा पहुंचा, क्योंकि हजारों की तादाद में लोगों ने टिकट को पैसे देकर खरीदा था।

एक कॉल से खुल गया चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के एमएमएस कांड का राज

चंडीगढ़ , 19 सितम्बर 2022। पंजाब के मोहाली स्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में हुए छात्राओं के एमएमएस लीक कांड के बाद देशभर में गुस्सा है. इस खबर ने सभी को झकझोर कर रख दिया है. लड़कियों के नहाते हुए कथित वीडियो के वायरल होने के बाद से यूनिवर्सिटी में तनाव का माहौल बना हुआ है. यूनिवर्सिटी ने बढ़ते तनाव के बीच 6 दिन तक बंद का ऐलान भी कर दिया है. तो वहीं कई स्टूडेंट्स इस कांड के बाद यूनिवर्सिटी छोड़कर भी जाने लगे हैं.

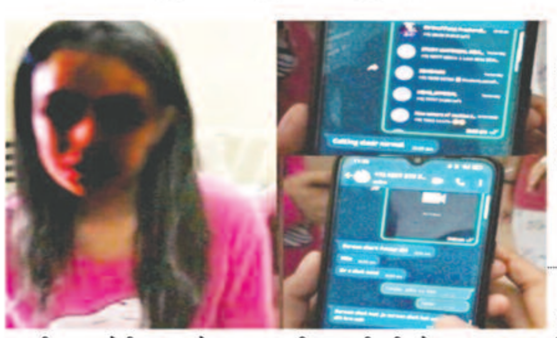

आइए जानते है कैसे हुआ इस पूरे मामले का खुलासा

चंडीगढ़ के मोहाली में हुए एमएमएस कांड को लेकर एक के बाद एक कई खुलासे हो रहे है. पुलिस का कहना है कि इस पूरे मामले की जब जांच की गई और आरोपी छात्रा को पकड़ा गया तो एक कॉल ने ही सारे राज उगल दिए. अब इस मामले में तेजी से खुलासे हो रहे हैं.

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की डीन स्टूडेंट वेलफेयर रीतू रनौत के मुताबिक, घटना के बारे में जब आरोपी छात्रा से पूछताछ की जा रही थी तो उस वक्त उसके मोबाइल फोन पर लगातार कॉल्स और मैसेज आ रहे थे. तब हमने छात्रा से कहा कि वह फोन का स्पीकर ऑन कर बात करे. कॉल करने वाला कोई तीसरा शख्स था. रनौत के मुताबिक, हमने छात्रा से कहा कि वह अपने दोस्त से पूछे कि क्या उसके पास कोई वीडियो है. अगर है तो वो भेज दे. इतना कहते ही छात्रा के दोस्त ने वीडियो का स्क्रीनशॉट भेज दिया.

इसके बाद छात्रा से भी सख्ती से पूछताछ शुरू कर दी गई. इस दौरान छात्रा लगातार कहती रही कि उसे नहीं पता कि ये वीडियो उसके पास कैसे आया, उसने सिर्फ अपने दोस्त को भेजे थे.

वहीँ पूछताछ में ये भी खुलासा हुआ कि, छात्रा के मोबाइल से कुछ वीडियो और फोटो डिलीट किए गए हैं. इस मामले में पुलिस ने आरोपी छात्रा और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है.

शिमला से युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

इस मामले में पुलिस का एक्शन दो राज्यों तक पहुंच गया है. चंडीगढ़ के साथ-साथ पुलिस ने शिमला से आरोपी छात्रा के कथित प्रेमी को हिरासत में लिया है. इस तरह एमएमएस कांड की जांच दूसरे राज्यों तक भी पहुंच रही है.

कैसे हुआ मोहाली एमएमएस लीक कांड का खुलासा?

इस मामले का खुलासा भी एकदम से हुआ. दरअसल कुछ लड़कियों ने आरोपी छात्रा को बाथरूम के दरवाजे के नीचे से वीडियो बनाते हुए देख लिया था. उन्होंने इस मामले में वार्डन को शिकायत की. पूछताछ में छात्रा ने माना कि उसने कुछ वीडियो बनाए हैं. यही नहीं उन्हें कुछ लोगों को भेजने की बात भी कुबूल की.

सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी, 32 साल बाद नक्सलियों से मुक्त हुआ छत्तीसगढ़ से लगा ये क्षेत्र

रांची, 19 सितम्बर 2022। झारखंड और छत्तीसगढ़ की सीमाओं पर लातेहार एवं गढ़वा जिले में स्थित बूढ़ा पहाड़ को लगभग 32 वर्षों बाद एक बार फिर सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के कब्जे से मुक्त करा लिया है । झारखंड पुलिस के महानिदेशक नीरज सिन्हा ने रविवार को लातेहार और गढ़वा जिलों में फैले बूढ़ा पहाड़ की चोटी पर पहुंच कर 32 वर्षों बाद नक्सलियों से पूरी तरह मुक्त हुए।

उन्होंने सुरक्षा बलों के कब्जे में आये बूढ़ा पहाड़ के ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि अब उन्हें कभी दोबारा नक्सलियों के आतंक के साये में नहीं रहना होगा साथ ही उन्होंने क्षेत्र में नक्सलियों के सफाये के लिए लंबे समय तक चले 'ऑपरेशन ऑक्टोपस' में शामिल सुरक्षा बलों को सम्मानित किया।

झारखंड पुलिस के प्रवक्ता अमोल विष्णुकांत होमकर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नक्सलियों के पूरी तरह सफाये के बाद पहली बार शुक्रवार को बूढ़ा पहाड़ पर सुरक्षा बलों के शिविर पर एमआइ' हेलीकॉप्टर उतारे गये। होमकर ने बताया कि बूढ़ा पहाड़ को नक्सलियों से मुक्त कराने के बाद उसकी चोटी पर सुरक्षा बलों का शिविर स्थापित कर लिया गया है। अब वहां जवानों को रसद और दूसरे सामान की आपूर्ति हेलीकॉप्टर और दूसरे साधनों से की जायेगी। सिन्हा ने कहा कि अब सुरक्षा बलों की सहायता से क्षेत्र में आम लोगों के लिए सड़कें, अस्पताल एवं अन्य आवश्यक मूलभूत संरचनाएं निर्मित की जायेंगी।

बांग्लादेश सीमा से बीएसएफ ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर 40 लाख का सोना बरामद किया

नई दिल्ली ,19 सितंबर 2022। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने उत्तर बंगाल की भारत बांग्लादेश सीमा से एक तस्कर को गिरफ्तार कर करीब 40 लाख के 7 सोने के बिस्कुट बरामद किए हैं। बीएसएफ की तरफ से ये जानकारी दी गई है। बीएसएफ ने बताया कि एक खुफिया इनपुट के आधार पर रायगंज सेक्टर के तहत बीएसएफ की 61वीं बटालियन के जवानों ने एक भारतीय नागरिक को सात सोने की बिस्कुट के साथ पकड़ा है। जानकारी के मुताबिक पकड़ा गया तस्कर पतिराम इलाके से बस से मालदा जा रहा था, उसी वक्त बीएसएफ के जवानों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए भारतीय का नाम प्रशांत विश्वास है। इसके पास से 7 सोने के बिस्कुट जिसका बजन 816.360 ग्राम है, बरामद किए गए हैं। बरामद किए गए सोने की कीमत अंतरराष्ट्रीय मार्केट में करीब 40 लाख 65 हजार 472 आंकी गई है।

बेगूसराय के बाद अब बिहार के हाजीपुर में सड़क पर अंधाधुंध गोलीबारी

हाजीपुर, 19 सितम्बर 2022। बिहार के वैशाली जिले के नगर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने अंधाधुंध गोलोबारी की, जिससे लोग दहशत में आ गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है जबकि लोग इसे बेगूसराय की घटना से भी जोड़ कर देख रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, वैशाली जिले के मड़ई चौक के पास रविवार की देर शाम बाइक सवार बदमाशों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। अपराधियों ने कई राउंड फायर किए।

पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची, लेकिन तब तक बदमाश फरार हो चुके थे।

नगर थाना के पुलिस निरीक्षक सुबोध सिंह ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से तीन खाली खोखे बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी के नुकसान की खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रों की नाकेबंदी कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

कई लोग इस घटना को बेगूसराय की घटना से जोड़कर देख रहे हैं। गत मंगलवार को बेगूसराय में अपराधियों ने सिलसिलेवार गोलीबारी की थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी तथा 10 लोग घायल हो गए थे। इस मामले में अबतक चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अब स्कूलों में सिर्फ पांच दिन होगी पढ़ाई! बच्चों के बस्ते का बोझ कम करने सरकार उठाने जा रही कदम

पटना, 19 सितम्बर 2022। राज्य सरकार छात्रों के हित में एक अहम कदम उठाने जा रही है. स्कूली बच्चों के बस्ते का बोझ कम करने के लिए राज्य सरकार स्कूलों में 'नो-बैग डे' नियम और सप्ताह में कम से कम एक बार अनिवार्य खेल का 'पीरियड' शुरू करने की तैयारी में है। 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में बिहार सरकार में शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने बताया कि इस आशय की अधिसूचना जल्द ही जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक 'नो-बैग डे' में कार्य-आधारित व्यावहारिक कक्षाएं होंगी।

उन्होंने कहा, ''सप्ताह में कम से कम एक बार, छात्र अपने टिफिन बॉक्स के साथ ही स्कूल आएंगे। उस दिन उन्हें किताबें ले जाने की जरूरत नहीं होगी। दिन व्यावहारिक और अनुभवात्मक चीजें सीखने के लिए समर्पित होगा।'' इस तरह की नीति का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न गतिविधियों में शामिल करना है, जो उनके सीखने पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। उन्होंने'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''स्कूल प्राधिकारियों को ऐसी गतिविधियों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए। यह कदम निश्चित रूप से छात्रों में सकारात्मक बदलाव लाएगा, जिससे उनकी सीखने की क्षमता में भी सुधार होगा। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में हमारे छात्रों के प्रभावशाली प्रदर्शन से उत्साहित होकर, हम विद्यालयों में अनिवार्य खेल पीरियड शुरू करेंगे।'' उन्होंने कहा कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है और इसे सरकारी और निजी दोनों विद्यालयों में लागू किया जाएगा।

पॉलिटेक्निक छात्रों को गाली देने वाले एसपी अरविंद तिवारी की हुई छुट्टी,सीएम ने दिया आदेश

भोपाल, 19 सितम्बर 2022। पॉलिटेक्निक छात्रों को गाली देने वाले एसपी अरविंद तिवारी को सीएम शिवराज सिंह चौहान ने सस्पेंड कर दिया है। बता दें कि हाल ही में मध्यप्रदेश के झाबुआ के एसपी अरविंद तिवारी का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो के अनुसार आये पॉलिटेक्निक छात्रों को गाली देते हुए दिखे थे।

जैसे ही यह मामला सीएम के संज्ञान में आया तो उन्होंने एसपी को हटाने के निर्देश दिए थे। अब उन्हें निलंबित कर दिया गया है।

जानें क्या है मामला- झाबुआ में कॉलेज की जमीन पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों और छात्रों में विवाद हुआ था। इसके बाद 100 से अधिक की संख्या में छात्रों ने थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की थी। थाने स्तर पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद छात्रों ने जिले के एसपी को कार्रवाई के लिए फोन लगाया। एसपी ने छात्रों के साथ गाली गलौज की। इस दौरान एसपी की बातों को छात्रों ने रिकॉर्ड कर लिया।

मोनेट इस्पात लिमिटेड की खदान में घुसकर नक्सलियों ने मचाया उत्पात,पूर्व सरपंच को मारी गोली और सर्चिंग तेज

पखांजूर, बिप्लव कुंडू, 19 सितम्बर 2022। जिले के दुर्गुकोंदल विकासखंड स्थित मोनेट इस्पात लिमिटेड की खदान में नक्सलियों ने हमला कर दिया। इस हमले में खदान में मौजूद पूर्व सरपंच नोहर सिंह तुलावी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. मिल रही जानकारी के अनुसार, नोहर सिंह अपने ट्रक को लोड करवाने खदान पहुंचे थे, इसी बीच खदान के प्रवेश द्वार पर तीन अज्ञात व्यक्ति पहुंचे और ऑपरेटर से चर्चा करने की बात कहकर अंदर घुस गए.

इसके बाद तीनों नोहर सिंह तुलावी के पास पहुंचे और उस पर फायर कर दिया. ये सब देख नोहर तुलावी ने वहां से भागने का प्रयास किया, परंतु हमलावरों ने उसे पकड़ लिया और उस पर फिर नजदीक से कई गोलियां उतार दी और उसके बाद सिर पर एक पत्थर भी पटक दिया . घटना से आसपास दहशत का माहौल माहौल बन गया है. इधर, घटना के बाद खदान में कार्यरत लोगों के द्वारा तत्काल पूर्व सरपंच को दुर्गकोंदल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. जहां उनका इलाज चल रहा है. फ़िलहाल पीड़ित की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे देखते हुए उसे बाहर रेफर करने की तैयारी की जा रही है. पुलिस घटनास्थल के लिए रवाना हो गई और सर्च अभियान तेज कर दिया गया है।

वाकई शराब की वजह से प्लेन से उतारे गए सीएम भगवंत मान?

विवादों में घिरने पर विपक्ष ने छोड़ें सियासी बाण!

नईदिल्ली/चंडीगढ़, 19 सितम्बर 2022। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं. इस बार विवाद की वजह फ्लाइट में उनकी ख़राब हालत को बताया जा रहा है. इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में भी खलबली मच गई है.

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को जर्मनी में एक फ्लाइट से नीचे उतार दिया गया। इसके कारण उनकी खराब हालत को बताया जा रहा है। इस मामले में पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप बाजवा ने सोमवार को जालंधर में दावा किया कि भगवंत मान की हालत ऐसी थी कि वह जहाज में बैठने लायक नहीं थे, इसलिए उन्हें नीचे उतार दिया गया और उनका सामान भी जहाज से बाहर कर दिया गया।

प्रताप बाजवा का दावा है कि एयरलाइंस व जहाज में बैठे कुछ अधिकारियों से उनकी बात हुई है। बाजवा ने मान को जहाज से उतारने के मामले की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से जांच की मांग की है।

इधर कांग्रेस नेता सुखपाल खैरा ने कहा कि अगर यह खबर सही है तो अरविंद केजरीवाल को बताना चाहिए कि राजनीति में पियक्कड़ों को बढ़ावा देने से उन्हें क्या फर्क पड़ रहा है। क्या यही भारत में बदलाव की उनकी राजनीति है? किसी भी सीएम ने राजनीति में नैतिकता की मर्यादा ऐसे कभी नहीं गिराई जैसे भगवंत मान बार-बार कर रहे हैं।

वहीं शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने ट्वीट किया कि सह-यात्रियों के हवाले से मीडिया में आई परेशान करने वाली खबरों में कहा गया है कि पंजाब के सीएम भगवंत मान को लुफ्थांसा फ्लाइट से उतारा गया क्योंकि वह बहुत नशे में थे और इससे उड़ान में 4 घंटे की देरी हुई। इन रिपोर्टों ने पंजाबियों को शर्मिंदा कर दिया है।

गोवा:भाजपा से भारत बिना सिद्धांत,चरित्र और नैतिकता के!

इधर राहुल गांधी की केरल में 'भारत जोड़ो' यात्रा चल रही है और उधर गोवा में 'कांग्रेस तोड़ो' का हादसा हो गया है। इस मौके पर गोवा में कांग्रेस के 11 में से आठ विधानसभा सदस्यों का टूटकर भाजपा में मिल जाना अपने आप में ऐसी घटना है, जो सारी यात्रा पर पानी फेर देती है। हो सकता है कि भाजपा ने इस दल-बदल के लिए यह समय इसीलिए चुना हो।

कोई आश्चर्य नहीं कि कुछ अन्य प्रांतों में भी भाजपा ऐसे ही करिश्मे कर दिखाए। गुलाम नबी आजाद जैसे अनुभवी नेताओं के द्वारा कांग्रेस छोड़ने के बाद राहुल की पद-यात्रा से जो थोड़ी आशा बंधी थी, उसे गोवा में बड़ा झटका लग गया है। कांग्रेस का कहना है कि गोवा का यह दल-बदल इसीलिए करवाया गया है कि भाजपा उसकी पद-यात्रा से घबरा गई थी। उन्होंने कहा है कि यह भाजपा का 'आपरेशन कीचड़' है।

वास्तव में यह गोवा के कीचड़ में भाजपा के कमल का खिलना ही है। हालांकि भाजपा की सरकार वहां मजे से चल रही थी। लेकिन इन आठ कांग्रेसी विधायकों के भाजपा में मिल जाने से गोवा की 40 सीटों वाली विधानसभा में उसकी 28 सीटें हो गई है। अब उसे छोटी-मोटी स्थानीय पार्टियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ऐसा नहीं है कि इतना तगड़ा दल-बदल गोवा में पहली बार हुआ है। 2019 में भी 10 कांग्रेसी विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे।

इसी दल-बदल के डर के मारे इस बार कांग्रेस ने अपने विधायकों को उनके गिरजे, मंदिर और मस्जिद में ले जाकर प्रतिज्ञा करवाई थी कि वे कांग्रेस में ही रहेंगे लेकिन आप देखें कि राजनीतिक स्वार्थ कितना भयंकर होता है। एक विधायक ने मंदिर में जाकर भगवान से पूछा कि मैं बड़ी दुविधा में हूं। मैं क्या करुं? तो भगवान ने उससे कह दिया कि जो तुम्हें ठीक लगे, वह करो।

इन दल-बदलुओं के लिए नीति, सिद्धांत, विचारधारा और यहां तक भगवान की भी कोई कीमत नहीं है- सत्ता-प्राप्ति के मुकाबले। भाजपा ने नेताओं की इस कमजोरी को जमकर पकड़ लिया है। इसी के दम पर उसने अरुणाचल (2018), कर्नाटक (2018), मध्यप्रदेश (2020), गुजरात (2018-19) और पश्चिमी बंगाल में जमकर दल-बदल करवाए। 'आप' पार्टी का बयान है कि भाजपा उसके पंजाबी विधायकों को तोड़ने के लिए करोड़ों रु. लुटाने को तैयार है। गोवा, नागालैंड, मेघालय आदि के ईसाई नेताओं को पटाने के लिए भाजपा ने मांसाहार के विरुद्ध भी बोलना बंद कर दिया है। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि भाजपा सरकार भारत को कांग्रेसमुक्त करा पाए या नहीं, वह भारतीय राजनीति को सिद्धांतमुक्त जरुर करवा रही है।

-वेद प्रताप वैदिक-

संपादकीय

मारती ही जा रही है महंगाई

अर्थशास्त्री इसे चिंता का पहलू बता रहे हैं। लेकिन इन तमाम सूरतों से जो एक व्यक्ति चिंतित नहीं है, वो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन हैं। कुछ ही दिन पहले उन्होंने कहा था कि महंगाई उनकी बड़ी चिंता का विषय नहीं है।

जुलाई में मुद्रास्फीति दर फिर से सात प्रतिशत पहुंच गई। उसमें अगर खाद्य पदार्थों की महंगाई का हिस्सा देखें, तो यह 7.62 प्रतिशत रहा। इसी के साथ औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में गिर कर छह महीनों के सबसे निचले स्तर पर चला गया। बाजार विशेषज्ञों इन आंकड़ों को इस रूप में देखा है कि लगातार बढ़ रही महंगाई से लोगों की वास्तविक आमदनी घट रही है और इसलिए उपभोग में लगातार गिरावट आ रही है। यानी बाजार से मांग गायब हो रही है। जब यह सूरत होगी, तो औद्योगिक उत्पादन में बढ़ोतरी का आधार ही नहीं बचता है। उधर निर्यात की परिस्थितियां बिगड़ती जा रही हैं, नतीजा चालू खाते का लगातार का लगातार बढ़ता घाटा है। इस बीच रुपये को संभालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक अपने भंडार से लगातार बाजार में डॉलर डाल रहा है। उसका नतीजा दो सितंबर को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में आठ बिलियन डॉलर की गिरावट के रूप में सामने आया। साल में ये भंडार 642 बिलियन डॉलर से घटते हुए लगभग 553 बिलियन डॉलर तक आ पहुंचा है।

अर्थशास्त्री इसे चिंता का पहलू बता रहे हैं। लेकिन इन तमाम सूरतों से जो एक व्यक्ति चिंतित नहीं है, वो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन हैं। कुछ ही दिन पहले उन्होंने कहा था कि महंगाई उनकी बड़ी चिंता का विषय नहीं है। उनका ध्यान ग्रोथ पर टिका हुआ है। ग्रोथ पर उनका ध्यान शायद इसलिए है कि बेहद निम्न आधार के कारण मामलू सी वृद्धि भी बहुत ऊंची दिखती है। इससे हेडलाइन मैनेज करने में मदद मिलती है। लेकिन उससे भारतीय समाज में फैल रही माली बदहाली का हल नहीं निकलेगा, जिसकी कहानी खुद सरकारी आंकड़े भी बता रहे हैं। सोमवार को जारी आंकड़ों पर गौर करें, तो संकेत मिलता है कि आने वाले महीनों में भी महंगाई, घटती आमदनी, गायब होती मांग और उत्पादन में गिरावट की समस्या से निजात मिलने की उम्मीद कम है। वैसे जब समस्या और उससे ग्रस्त लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है- यानी सरकार इसके हल में अपनी भूमिका नहीं मान रही है- तो इससे बेहतर किसी परिणाम की आशा भी नहीं की जा सकती है।

प्राकृतिक आपदाओं से घिरे भारत को जापान की तरह आपदा प्रबंधन की आवश्यकता

संजीव ठाकुर
रायपुर
छत्तीसगढ़

आपदा सदैव अन अपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्त रूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है ।आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर अन्य आपदाओं के साथ कोविड-19 के लिए सतर्क होकर कार्रवाई की जानी चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

भारत के भू भाग का लगभग 58त्न क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68त्न भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12त्न है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना सदैव बनी रहती है।अब भारत में विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लड़ रहा है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया है। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्टीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी।

भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात, सुनामी, भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड-19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है ।ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे,सी, पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी। 2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग-अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अतः सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्टीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्टीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। यह आपदा राशि कार्रवाई बल पर किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। ईस संस्था ने बंगाल तथा उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में आई सुनामी में काफी बड़ी संख्या में लोगों की जान भी बचाई है। चक्रवाती तूफान से निपटने में हमारे समुचित प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। परंतु पिछले 1 वर्षों से करोना संक्रमण से हुई बड़ी संख्या में मृत्यु ने देश को हिला कर रख दिया है। और कोविड-19 की प्रथम लहर के बाद द्वितीय लहर ने मृत्यु का तांडव मचा कर देश में हाहाकार मचा दिया है । कोविड-19 की पहली लहर के बाद एवं दूसरी लहर के मध्य देश के आपदा प्रबंधन सिस्टम को पहले से ही सावधान तथा सचेत रहकर पूरी की पूरी तैयारी कर लेनी चाहिए थी ।अगर आपदा प्रबंधन सिस्टम को लगातार मॉनिटर किया जाता एवं उस सिस्टम के अधिकारी जिम्मेदार व्यक्ति सचेत एवं सजग रहते, तो द्वितीय लहर में इस तरह हड़कंप संक्रमण एवं मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता। भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए-नए उपाय करने चाहिए। क्योंकि आपदा कभी बताकर नहीं आती।इसी तरह कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका को ध्यान में रखते हुए हमें इसकी तैयारी पूर्व से ही कर लेना चाहिए अन्यथा हाथ मलने के अलावा अपने पास कुछ ना रह जाएगा।

बारिश की विदाई

प्रिया देवांगन
प्रियू
राजिम
छत्तीसगढ़

बारिश की अब हुई विदाई।
ठंडी रानी घर-घर आई।।
कम्बल चादर और रजाई।
निकले अलमीरा से भाई।।
सूरज दादू जल्दी आना।
धूप साथ में अपने लाना।।
देह सभी सेकेंगे बच्चे।
हृष्ट पुष्ट अरु होंगे अच्छे।।
किट-किट सब के दाँत करेंगे।
ठंडे पानी सभी डरेंगे।।
आलस से तुम लो अँगड़ाई।
देखो ठंडी रानी आई।।

मां वात्सल्य प्रेमामई ममता

किशन
भावनानी
गोंदिया
महाराष्ट्र

मां वात्सल्य प्रेमामई ममता
मिलती हैं सभको कोई अच्छूता नहीं
कद्र करने की बात है,
कोई करता कोई नहीं
मां की ममता मिलती हैं सभको
कोई अच्छूता नहीं
कद्र करने की बात है
कोई करता कोई नहीं
मां का आंचल अपने सपूतों के लिए
हरदम खुला बंद नहीं
अपनी तकलीफों दुखों से घिरी
पर ममता की छांव हटाई नहीं
चार बातें कड़वी भी सुनीं तुम्हारी
पर ममता की छांव हटाई नहीं
तुमने कद्र भले की हो या नहीं
पर मां ने ममता घटाई नहीं
हैं ऐसे भी कुछ लोग मां की ममता का
आंकलन करते नहीं
बस दिखावे में जीतें हैं मां की
ममता का सम्मान करते नहीं
समझ लो ऐसे लोगों, मां की ममता
नसीब करेगा भगवान भी नहीं
बस मां की ममता आंचल में समाए रहो
फिर पूजा पाठ की जरूरत नहीं
मां का वात्सल्य प्रेमा मई ममता
मिलती हैं सभको कोई अच्छूता नहीं
कद्र करने की बात है
कोई करता कोई नहीं

तनहाईयों से बातें

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

तनहाईयो में बैठ के, बातें करो कभी।
ख़लवत में खुद से भी, मुलाकातें करो कभी।
देखो तो कभी गौर से, कितनी हैं खामियां,
इनको मिटाने की, करामातें करो कभी।
बेख़्वाब आंखो में गुजारी, कितनी शबे ग़म,
औरों के दर्द में भी, जगराते करो कभी।
बेजान,हसरतों को लिये, भागते रहे,
अब रुह से मिलन की, बरातें करो कभी।
कितने बहाये अश्क हैं स्वाती कहां कहां
उनके कदम धो दें वो, बरसातें करो कभी।

नारी

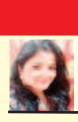

प्रियंका
अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

सुना था इतिहास खुद को दोहराता है
आज जान लिया
वक़्त भी पलट कर आता है
आज मान लिया
कल भी ये ही होता था
आज भी ऐसा होता है
और मुझे ये मालूम है
कल भी यूं ही होना है
पहले भी सम्मान खोया था
आगे भी सम्मान खोना है
सब कहते हैं, वक़्त तो
अब बदल ही गया है
पर नारी का पात्र तो
अब भी दया है
फिर क्या बदलाव आया है?
बस खोया, क्या कुछ भी पाया है!
किसी ने भी तो
उसे सम्मान न दिया
दी तो सिर्फ ज़िल्लत
अपमान ही किया
फिर क्यूँ आख़िर सब कहते हैं
कि नारी रूप है ईश्वर का?
जबकि उसे सहना ही है
हर ज़ुल्म इस जीवन का..

बावस्ता

ओमप्रकाश बिन्जवे
राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

मै जानता हूँ मुझ से खफा है वो।
इसलिये कुछ बुझा बुझा है वो।
मुझी से बाबस्तास है उस की हस्ती,
मगर बेगानों सा देखता है वो।
चाहा कि उस के साथ रहू मगर,
मौसम की तरह बदलता है वो।
बीता वक्त हो तो उसे भुला भी दू,
वो हयात है,तस्वीरे वफा है वो।
मेरी तन्हाँ रातों का है मुसाफिर,
मेरी पलकों के ख्वाब सा है वो।

क्यूँ बेटियों को अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने का अधिकार नहीं

भावना ठाकर
भावु
बेंगलोर,
कर्नाटक

इंसान की मानसिकता कब बदलेगी? बेटियाँ जिगर का टुकड़ा होती है, कोई भेड़ बकरी नहीं। बेटी के जज़्बातों को परिवार वाले ही नहीं समझेंगे तो कहाँ जाएगी। लड़की होना कोई गुनाह तो नहीं, क्यूँ लड़कियों को एक दायरे में बाँधने की कोशिश की जाती है? क्यूँ लड़कियों को अपना पसंदीदा जीवनसाथी चुनने का अधिकार नहीं दिया जाता।

आज कहीं पढ़ा, एक विधवा ने अपने प्रेमी के साथ भागकर शादी की तो परिवार वालों ने दोनों को इतना मारा की मुश्किल से जान बची दोनों की। क्या गलत किया लड़की ने अगर अपनी दुनिया दोबारा बसाना चाहा? विधवा हो गई तो क्या उसे ज़िंदगी जीने का कोई अधिकार नहीं? उसका दिल दिल नहीं रहता, मन मन नहीं रहता? एहसास एहसास नहीं रहते? क्यूँ विधवाओं से उससे जीने का हक छीन लिया जाता है? क्यूँ परिवार वाले आगे चलकर बेटी की ज़िंदगी में खुशियाँ नहीं लाते। क्यूँ दोबारा शादी नहीं करवाते।

समाज अपनी सुविधानुसार नारी को कभी दुर्गा और रणचंडी के रूप में चित्रित करता है तो कभी उसे अबला तथा कोमलांगी बताकर उसकी सुरक्षा के लिए चिंतित होने का अभिनय करने लगता है। घर की माताओं-बहनों और बहू बेटियों की रक्षा का स्वघोषित उत्तरदायित्व पुरुष स्वयं पर ले लेता है, किंतु यह सुरक्षा नारी को तभी तक उपलब्ध होती है जब तक वह पुरुष द्वारा खींची गई लक्ष्मण रेखाओं के भीतर रहती है। इन लक्ष्मण रेखाओं से बाहर निकल कर स्वतंत्रता की तलाश करने की नारी की कोशिश उच्छृंखलता मानी जाती है और इसके लिए उसे दंडित किया जाता है। यह सुरक्षा के बहाने नारी पर वर्चस्व स्थापित करने की चेष्टा है। कभी-कभी परंपराएँ कुछ एक ज़िंदगियों को जीते जी मार देती है। हर इंसान के सीने में ये जो धक-धक करते धड़कता मशीन है वो मोह माया की नगरी है। प्यार, इश्क, मोहब्बत, एहसास, दुःख-दर्द इन सारे पुर्जों से बने हृदय से उठते स्पंदन को वश में रखना किसीके बस की बात नहीं। शायद ही कोई ऐसा हो जिसे एक से ज़्यादा बार प्यार न हुआ हो। क्या कोई गुनाह है एक उम्र के ढ़लते किसीसे मोह पैदा होना? क्या ड़ाल देने चाहिये एहसासो को इश्क की जलती धूनी में, या एक ड़र के भँवर में डूबोकर मार देना चाहिए?

क्या उम्र के चलते या विधवा या विधूर होने के बाद दिल दिल नहीं रहता,

एहसास उभरने बंद हो जाते है? सोचो एक लक्ष्मण रेखा के दायरे में सिमटे कितने एहसास खुदकुशी करते होंगे सामाजिक बंदीशों के आगे दम तोड़ते।

÷इस समाज की रीत है÷ जो लाँघते है दायरा वो छीनाल करार दिये जाते है। मार दिए जाते है। मोह तो मोह है कभी भी पैदा हो सकता है। हर इंसान का मन आसक्ति में रममाण होता है।अब आसक्त मन को जबरदस्ती खिंच लाना ढ़ोंग ही हुआ विरक्ति का। पर हाँ नहीं लाँघ सकते ना सामाजिक व्यवस्था का दायरा, एहसासो को इतनी छूट कहाँ की मोह के पीछे चल दे।

कोई विधवा या विधुर भी इस मोह का शिकार हो सकते है। पर समाज की सीमा से परे जाने की हिम्मत कहाँ।

घोंटना पड़ता है गला चेहरे पर विरक्त भाव की हंसी चमकाए मोह को मारकर, दफ़नाकर दिल ही दिल में। भले ही भीतरी एहसास गिरवी पड़े हो जिससे मोह पैदा हुआ हो उसके दिल की अलमारी में। सभ्य समाज की एक रीत जो ठहरी कि ए लड़कियों तुम्हें कोई हक नहीं अपनी मर्ज़ी से ज़िंदगी जीने का। सामाजिक दायरे में रहो वरना सज़ा की हकदार बनों।

जब भी कोई स्त्री अपने जीवन का सबसे अहम फैसला, जीवन साथी चुनने का निर्णय, अपनी पसंद के अनुसार लेती है तो वह समाज को स्वीकार्य नहीं होता। स्त्रियां तभी तक पूजनीय होती हैं, जब तक वे पितृसत्ता द्वारा अपने लिए निर्धारित कर्तव्यों का पालन करती है और पुरुष प्रधान समाज द्वारा निर्धारित कसौटियों पर खरी उतरती है। जैसे ही वे अपनी अस्मिता की तलाश करने लगती है और अपने मौलिक तथा अद्वितीय होने का प्रमाण देने लगती हैं, उन्हें अनुशासित, दंडित और प्रताड़ित करना शुरू हो जाता है। यह पितृसत्ता की युगों से चली आ रही परंपरा है।

बंगाल में टकराव बढ़ाने की तैयारी

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में लगी भाजपा ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के साथ टकराव बढाना शुरू कर दिया है। पिछले दिनों पार्टी ने राज्य सचिवालय यानी नबन्ना चलो का नारा देकर मार्च किया था। उस मार्च में खूब हिंसा हुई। भाजपा ने बाहर से यानी दूसरे राज्यों से भी कार्यकर्ताओं को बुलाया था और पार्टी ने सड़कों पर जम कर उत्पात किया। पुलिसकर्मियों से मारपीट की गई और सरकारी गाड़ियां जला दी गईं। उसके बाद अब भारतीय जनता युवा मोर्चा ने प्रदर्शन का ऐलान किया है। इस बीच कानूनी और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई अलग चल रही है। भाजपा की योजना तृणमूल और उसके नेताओं को चौतरफा घेरने की है।

इसके लिए केंद्रीय एजेंसियों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल होगा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि वे तृणमूल के एक सौ विधायकों की सूची प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी को देंगे। उनका दावा है कि इन सौ विधायकों के पास आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति है और ईडी को इनकी जांच करनी चाहिए। ध्यान रहे कलकत्ता हाई कोर्ट ने पहले ही तृणमूल के मंत्रियों और विधायकों सहित 19 नेताओं के खिलाफ ईडी की जांच की मांग वाली एक याचिका में ईडी को पार्टी बना दिया है। सीबीआई और ईडी पहले से कई नेताओं की जांच कर रहे हैं, जिनमें ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी सहित उनके ससुराल पक्ष के कई लोग शामिल हैं। कई नेता पहले से जेल में हैं। अब भाजपा और टकराव बढ़ा कर ध्रुवीकरण का प्रयास करेगी। यह भी कहा जा रहा है कि टकराव से कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा की जा रही है ताकि राष्ट्रपति शासन लगाया जा सके। इसका अंदाजा इस बात से लगेगा कि किसको वहां राज्यपाल बना कर भेजा जा रहा है।

चलते चीते चाल

-डॉ सत्यवान सौरभ
भिवानी,
हरियाणा

माना चीते देश में,
हुए सही आयात।
मगर करेगा कौन अब,
गदहों का निर्यात।।
आये चीते देश में,
खर्चे खूब करोड़।
भूखी गाय बिलख रही,
नहीं मौत का ओड़।।
सौरभ मेरे देश में,
चढ़ते चीते प्लेन।
गौ मात को जगह नहीं,
फेंक रही है क्रेन ।।
भरे भुवन मे चीखती,
माता करे पुकार।
चीतों पर चित आ गया,
कौन करे दुलार।।
क्या यही है सभ्यता,
और यही संस्कार।
मांग गाय के नाम पर,
चीता हिस्सेदार।।
ये चीते की दहाड़ है,
गुर्राहट; कुछ और।
दिन अच्छे है आ गए,
या बदल गया दौर।।
मसलों पर अब है नहीं,
आज देश का ध्यान।
चिंता गौ की कर रहे,
कर चीता गुणगान।।
देख सको तो देख लो,
अब भारत का हाल।
गैया कब तक अब बचे,
चलते चीते चाल।।
कौन किसी का साथ दे,
किस विध ढूँढे राम।
गाय धरा पर जब करे,
चीते खुल आराम।।

चीन से दोस्ती-दुश्मनी दोनों कैसे चलेगी!

नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री रहते और उसके बाद प्रधानमंत्री बनने के बाद शुरू के कई सालों तक चीन के साथ दोस्ती दिखाते रहे। दिखाते क्या रहे चीन के साथ उन्होंने खूब दोस्ती रखी तभी चीनी कंपनियों का गुजरात में निवेश भी हुआ था। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने साबरमती रिवर फ्रंट पर शी जिनफिंग को झूला झुलाया। बाद में अनौपचारिक वार्ता के लिए वुहान गए। दूसरी अनौपचारिक वार्ता के लिए जिनफिंग भारत आए और ममलापुरम में दोनों के बीच वार्ता हुई। लेकिन उसके बाद क्या हुआ? पहले डोकलाम में चीन ने भारत की जमीन कब्जाई। उसके बाद पूर्वी लद्दाख में घुसपैठ करके जमीन पर कब्जा किया। दशकों बाद दोनों देशों के बीच सैन्य झड़प हुई, जिसमें गलवान घाटी में भारत के 20 जवान शहीद हुए। अप्रैल 2020 के बाद सारी स्थितियां बदल गईं। पूर्वी लद्दाख में गलवान से लेकर पैंगोंग झील, देपसांग, डेमचक सहित कई जगहों पर भारत और चीन की सेनाएं आमने सामने आ गईं।

एक तरफ यह स्थिति। ढाई साल से दोनों देशों में जबरदस्त तनातनी है तो दूसरी ओर चीन के साथ कारोबार भी बढ़ता जा रहा है। पहली बार भारत और चीन के बीच कारोबार एक सौ अरब डॉलर से ज्यादा हुआ है। पिछले साल यानी 2021 में भारत और चीन के बीच 125 अरब डॉलर का कारोबार हुआ, जिसमें भारत का व्यापार घाटा 69 अरब डॉलर का था। इसमें भारत ने चीन से 94.2 अरब डॉलर का आयात किया। यह भारत के कुल आयात का 15 फीसदी है। इस साल यानी 2022 की पहली छमाही में ही चीन के साथ भारत का कारोबार 67.08 अरब डॉलर का हो चुका है। इसका मतलब है कि पिछले साल के कारोबार का रिकॉर्ड इस साल टूट जाएगा। सोचें, एक तरफ चीन भारत को चारों तरफ से घेर रहा है, पड़ोसी देशों पर दबाव डाल कर उनको भारत के खिलाफ बना रहा है, सीमा पर सैन्य ताकत बढ़ा कर भारत को घेर रहा है तो दूसरी ओर भारत उसके साथ कारोबार बढ़ाता जा रहा है। उस कारोबार में भी ऐसा नहीं है कि भारत को फायदा है। भारत को बड़ा नुकसान है। भारत की ओर से चीन को जितना निर्यात किया जा रहा है उससे लगभग चार गुना आयात किया जा रहा है।

एक तरफ आत्मनिर्भर भारत का नारा है तो दूसरी ओर देश पूरी तरह से चीन निर्भर होता जा रहा है। देश के तमाम सामरिक जानकार इस बात के लिए भारत की आलोचना कर रहे हैं। सामरिक विशेषज्ञ ब्रह्मा चैलानी ने पिछले साल का एक आंकड़ा देकर ट्विट किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी इस बात को कैसे जस्टिफाई करेंगे कि सीमा पर चल रहे गतिरोध के बीच चीनके साथ कारोबार दोगुना हो गया? उन्होंने बताया कि 2021 के जनवरी से नवबंर के बीच चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा साढ़े 61 अरब डॉलर का हो गया। उन्होंने यह भी बताया कि यह आंकड़ा भारत के एक वित्तीय वर्ष में कुल रक्षा खर्च के लगभग बराबर है।

इसलिए एक तरफ सीमा विवाद है तो दूसरी ओर चीन के साथ कारोबार है। ऐसे ही एक तरफ चीन से सीमा विवाद सुलझाने के लिए सैन्य और कूटनीतिक वार्ताएं हैं तो दूसरी ओर दलाई लामा को बधाई दी जा रही है और साथ ही संसदीय समिति की ओर से दलाई लामा को भारत रत्न दिए जाने की मांग उठ रही है। तो क्या चीन इस बात को नहीं समझ रहा है? उसे पता है कि उसको भारत के साथ कैसे पेश आना है। बस भारत को नहीं पता है कि चीन से कैसे निपटना है। इसलिए भारत की कूटनीति, आर्थिक नीति और सामरिक नीति सब कंफ्यूजन में है और दूसरी ओर चीन लगातार भारत को घेरते हुए है।

-हरिशंकर व्यास -

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती रेणुका सिंह के मुख्य आतिथ्य में पीआईबी की मीडिया कार्यशाला-वार्तालाप सम्पन्न

केंद्र सरकार की विविध योजनाओं व पत्रकार कल्याण योजना की जानकारी दी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 19 सितंबर 2022(घटती-घटना)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालयए भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय पीआईबी रायपुर द्वारा केन्द्री य जनजातीय कार्य मंत्रालय की राज्यमंत्री श्रीमती रेणुका सिंह सरूता के मुख्य आतिथ्य में वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन 19 सितंबर 2022 सोमवार को दोपहर 11: 00 बजे से किया गया।

वार्तालाप कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय श्रीमती रेणुका सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की योजनाओं एवं प्रधानमंत्री द्वारा दिये गये पाँच प्रण के बारे में विस्तार से बताया और पत्रकारों से आह्वान किया कि आप योजनाओं के व्यापक प्रचार.-प्रसार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। योजनाओं की जानकारी होने पर हितग्राही आगे आकर इनका लाभ लेंगे और देश का विकास होगा । कार्यक्रम के संबंध में पत्र सूचना कार्यालय रायपुर के निदेशक श्री कृपा शंकर यादव ने बताया कि वार्तालाप का उद्देश्य पीआईबी की पहुंच देश व प्रदेश की राजधानी से दूर जिलाए ग्रामीण व आदिवासी अंचल के पत्रकारों को केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकरी योजनाओं से मिलने वाले लाभ से अवगत कराया। इसीलिए कार्यशाला का नाम जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रसार में ग्रामीण पत्रकारिता की भूमिका रखा गया है। श्री यादव ने वार्तालाप में पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों वह उनकी शंकाओं का समाधान किया और भारत सरकार द्वारा पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे पत्रकारों व उनके परिवारों को आर्थिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए चलाई जा रही पत्रकार कल्याण योजना की जानकारी विस्तार से दी ।

आयोजित वार्तालाप में आए पत्रकारों को पत्र सूचना कार्यालय रायपुर के उपनिदेशक सुनील कुमार तिवारी ने कार्यक्रम के प्रारंभ में वार्तालाप के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत सरकार द्वारा देश व देशवासियों के कल्याण के लिए अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं इन योजनाओं को आपके माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की अपेक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं ।

वार्तालाप की इस अवसर पर विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, अंबिकापुर से वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रविंद्र तिग्गा, नवोदय विद्यालय अंबिकापुर से प्राचार्य सुरेंद्र पाल, नेहरू युवा केंद्र से युवा अधिकारी अनिरुद्ध संघारे, जन शिक्षण संस्थान से एम सिद्दीकी, जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता मिशन श्री गिरीश गुप्ता उपस्थित रहें ।

इस मौके पर वार्तालाप में स्थानीय जनप्रतिनिधि अनिल सिंह मेजर, अखिलेश सोनी, प्रबोध मिंज, भारत सिंह सिसोदिया एवं ललन प्रताप सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ एफपीए, केवी गिरी ने किया। समस्त कार्यक्रम के सुचारु समन्वय में हिमांशु सोनी, प्रशान्त कुमार व अन्य कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

तेंदूपत्ता की 90 हजार रुपए का भुगतान बकाया

महीनों से कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं ग्रामवासी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 19 सितंबर 2022(घटती-घटना)। आजाद सेवा संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा के उपस्थिति में एवं ग्रामीण महासचिव संजय बार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं एवं ग्रामवासियों ने सरगुजा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर बताया कि उदयपुर अंतर्गत ग्राम भकुरमा में तेंदूपत्ता की राशि का 30 ग्राम वासियों का भुगतान नहीं हो पा रहा है और हर दिन कार्यालय के चक्कर लगभग 2 महीने से लगा रहे हैं। पूरी बात यह है कि आज से लगभग 2 महीने पहले ग्राम वासियों की तेंदूपत्ता राशि का भुगतान करना था पर वहां के कर्मचारियों के द्वारा पूरे ग्राम वासियों के खाते नंबर को गलत लिख दिया गया ।जिसके कारण ग्राम वासियों को बहुत ही समस्या झेलना पड़ा पर कुछ दिनों के बाद ग्राम वासियों के द्वारा एवं ग्राम कर्मचारियों के द्वारा खाते नंबर को सुधारा गया जिसके बाद ग्राम वासियों के खाते में तेंदूपत्ता की राशि आज तक नहीं आई है ऐसे ग्रामवासी लगभग 30 है जिन की राशि लगभग 90 हजार और इन 30 ग्राम वासियों का लिस्ट में नाम सही है पर मात्र 30 ग्राम वासियों का तेंदूपत्ता का राशि आज लगभग 2 महीने से उनके खाते में नहीं पहुंचा ग्राम वासी कार्यालय जाते हैं तो उन्हें इधर से उधर घुमाया जाता है जिससे ग्रामवासी अब नहीं पैसों को लेकर बहुत ही ज्यादा परेशान हैं।

आजाद सेवा संघ सरगुजा के द्वारा मांग करते हुए कहां के सभी ग्राम वासियों का राशि 7 दिवस के अंतराल में भुगतान कराया जाए एवं और इनकी वजह से यह समस्या हुई है उन पर कुछ इस तरह उचित करवाई किया जाए।

ज्ञापन सौंपते समय उपस्थित रहे प्रतीक गुप्ता आनंद पटेल रवि गुप्ता अभिनव चतुर्वेदी , शिवकुमार बड़ा , रामसाय लकड़ा ,उमेश , जानेस एक्का , रामदुलार, बद्दू , सायनाथ, कुलदीप, फिरू , बिहानू मझवार, तिल कुंवारी, आदि उपस्थित रहे।

आसिफ अली ने शूटिंग प्रतियोगिता में जीते स्वर्ण पदक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 19 सितंबर 2022(घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ प्रदेश राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 21वीं राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता रायपुर में शहर के कई खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसमें अंबिकापुर नवागढ़ निवासी आसिफ अली ने अपने वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल कर शहर का नाम रोशन किया। वही टीम वर्ग में आसिफ अली शहजाद खान एवं हसीब खान ने रजत पदक हासिल किया। वही दूसरे वर्ग में शकील फिरदौसी ने एवं अन्य ने ईस्ट जोन निशानेबाजी प्रतियोगिता एवं ऑल इंडिया जीबी मावलंकर प्रतियोगिता में खेलने की पात्रता हासिल कर ली।

दुर्घटनाकारी पिकअप चालक पर पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई,आईजी से शिकायत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 19 सितंबर 2022(घटती-घटना)। दुर्घटनाकारी पिकअप चालक पर कार्रवाई नहीं करनें का आरोप पीड़ति ने लगाया है। पीड़ति शंकर प्रसाद मरावी मरावा ग्राम -कोढौरा, थाना राजा निवासी ने मामले की शिकायत आईजी से की है। पीड़ति का कहना है कि 11 सितंबर को सत्यनारायण और शिवम दोनों बाइक से पतापपुर से अपने घर ग्राम-पडिया (बांसवारा) वापस जा रहे थे। उसी दौरान पलापपुर से लगभग 01. कि.मी. दूरी पर ग्राम खजुरी अटल चौक के पास एक पिकअप अनियंत्रित होकर इन दोनों दोनों को ठोकर मारी, मौके पर मौजूद ग्रामिणों ने पिकअप को रोकने की कोशिश की, परन्तु पिकअप चालक काफी तेज गति से पिकअप लेकर भाग गया। उस पिकअप में महिला पुरुष करके ट्राली में बीस आदमी बैठे थे। गाड़ी मालिक बसंत कुमार गुप्ता, पिता विरेन्द्र गुप्ता, ग्राम चट्टीपारा सिलौटा, गाड़ी चला रहा था। इस ग्राम पिकअप का गाडी नंबर प्लेट में नहीं लिखा हुआ है। इस दुर्घटना के संबंध में दीपक कुमार आयम ने थाना चतायपुर में दिनांक 12 सितंबर को एफआईआर . दर्ज कराया है। जिसका छायाप्रति संलग्न है। आज तक उक्त प्रकरण का कोई कार्यवाही थाना प्रतापपुर पुलिस नहीं की है।शंकर प्रसाद मरावी ने आईजी से कार्रवाई की मांग की है।

संघर्षपूर्ण मुकाबले में दोनों टीम 1-1 गोल कर रहे बराबरी पर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 19 सितंबर 2022(घटती-घटना)। शहर के गांधीनगर में खले जा रहे सरगुजा फुटबॉल लीग प्रतियोगिता के अंतर्गत सोमवार को फुटबॉल क्लब बिशुनपुर व आदिवासी फुटबॉल क्लब भवाही के मध्य खेला गया। जिसमें दोनें टीमों ने 1-1 गोल कर बराबरी पर रहा। प्रथम हॉफ में दोनों टीमों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और एक भी गोल नहीं कर पाए। मैच के दूसरे हॉफ में भी दोनों टीम एक दूसरे के गोल पर हमला कर रही थी। दोनों टीमों को कई मौके मिले। इसी मौके का फायदा उठाते हुए आदिवासी फुटबॉल क्लब भदवाही ने अपनी टीम की ओर से पहला गोल कर टीम को एक गोल से बढ़त दिलाई। थोड़ी ही देर बाद बिशुनपुर की टीम ने 1 गोल कर टीम को 1-1 गोल की बराबरी पर ला दिया। जो अंत तक कायम रहा। मैच के निर्णायक दिनेश तिर्की, मनोज यादव, विद्यासागर, अमरदीप तथा रवि तिर्की थे। वहीं 20 सितंबर को इस प्रतियोगिता के दो मैच खेले जाएंगे। प्रथम मच रॉक स्टार कर्रा व न्यू फुटबॉल क्लब बकालो तथा दूसरा मैच न्यू फुटबॉल क्लब कंचनपुर व फुटबॉल क्लब कांतिप्रकाशपुर अंबिकापुर के मध्य खेला जाएगा।

जर्जर स्कूल भवनों को प्रशासन द्वारा ढहाने की कार्यवाही शुरू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 19 सितंबर 2022 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशानुसार कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले के जर्जर स्कूल भवनों को ढाहने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। जर्जर स्कूल भवनों को ढाहने के बाद नवीन स्कूल भवन का निर्माण कराया जयेगा। मुख्यमंत्री के द्वारा प्रदेश में नए स्कूल भवन निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में करीब 123 जर्जर स्कूल तथा 961 मरम्मत योग्य स्कूल भवन का चिन्हांकन किया गया है। उदयपुर विकासखंड में 11, लखनपुर में 26, अम्बिकापुर में 19, लुण्ड्रा में 32, बतौली में 10, सीतापुर में 17 तथा मैनपाट में 8 जर्जर स्कूल भवन चिन्हांकित है। इसी प्रकार उदयपुर विकासखंड में 146, लखनपुर में 53, अम्बिकापुर में 147, लुण्ड्रा में 106, बतौली में 80, सीतापुर में 125 तथा मैनपाट में 34 मरम्मत योग्य स्कूल भवन चिन्हांकित है। जर्जर स्कूल भवनों के स्थान पर नवीन स्कूल भवन तथा मरम्मत योग्य भवनों को मरम्मत कराने के लिए करीब 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार के निर्देशानुसार जर्जर स्कूल भवनों को ढहाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

लुचकी घाट के पास चलती ट्रक में लगी आग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 19 सितंबर 2022(घटती-घटना)। अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग पर स्थित शहर से लगे लुचकी घाट के पास रविवार की देर रात चलती ट्रक में आग लग गई। ट्रक क्रमांक एमपी 09 एचएच 9721 का चालक अपने खलासी के साथ वाहन में साबुन लोड कर रायगढ़ की ओर से अंबिकापुर की ओर जा रहा था। रास्ते में अंबिकापुर से पहले लुचकी घाट के पास रविवार की देर रात अचालक चलती ट्रक में आग लग गई। ट्रक में आग लगा देख वाहन के चालक व परिचालक ने वाहन से कूद कर अपनी जान बचाई और घटना की जानकारी डायल 112 को दी। डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड टीक को जानकारी दी। फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल लुचकी घाट पहुंच कर आग बुझाया। तब तक वाहन में आग पूरी तरह फैल चुका था। आगजनी में लाखों रुपए का नुकसान बताया जा रहा है।।वहीं सीतापुर थाना क्षेत्र के प्रतापगढ़ के पास रविवार की अहले सुबह 4 बजे एसिड लोड कैंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गई। कंटेनर पलटने से एसिड सड़क पर पूरी तरह फैल गया और आस पास के क्षेत्र में गैस का गुब्बार मन गया। इस दृश्य को देख आस पास के लोग दहशत में आ गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पर सीतापुर में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था नहीं होने के कारण अंबिकापुर फायर ब्रिगे को जानकारी दी गई। सूचना पर अंबिकापुर से दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और धुंए की तरह फैले गैस को हटाया।

महिलाओं ने मनाया जितिया का पर्व

-उपेश सिन्हा-
कुसमी 19 सितंबर 2022(घटती-घटना)। संतान की सुरक्षा का पर्व जितिया महिलाओं ने उत्साहपूर्वक मनाया, एक दिन का निर्जला व्रत कर भगवान की पुजा अर्चना कर आज पारन के साथ यह पर्व सम्पन हुआ, दरसल ऐसी मान्यता है कि माताएं अगर इस पर्व को करती है तो ईश्वर की कृपा से उनकी संताने खुशहाली जीवन जीते है यह पर्व की शुरूवात इस वर्ष शनिवार नहान खान से हुई जहाँ उपवास से पहले कई तरह के पकवान व्रत करने वाले लोगो के घरो में बने जिसे महिलाएं ने खाकर, दुसरे दिन रविवार के पुरे एक दिन निर्जला व्रत कर भगवान की पुजा अर्चना कर भगवान से अपने-अपने संतान की खुशहाली सुरक्षा की मांग माताओ ने की,फिर एक दिन बीतने के बाद सुबह सुबह भगवान की पुजा अर्चना के बाद माताओं ने पारन किया और फिर यह व्रत सम्पन हुआ ।

खड़ी 407 वाहन में जा घुसी क्विड वाहन दो लोगों की मौके पर मौत

ग्राम गुमगा में हुआ दर्दनाक सड़क हादसा

-संवाददाता-
उदयपुर 19 सितंबर 2022 (घटती-घटना)। ग्राम खोंधला से तारा जा रहे क्रिड वाहन के ग्राम गुमगा में खड़ी वाहन से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की दर्दनाक मौत मौके पर हो गई है। घटना में क्रिड वाहन के सामने का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। जानकारी के अनुसार तारा स्वास्थ्य केंद्र में कंपाउंडर के पद पर पदस्थ दान बहादुर सिंह रविवार को तारा निवासी जीनामती की बेटी के घर उसके साथ कार से ग्राम खोंधला गया था। यहां से तारा लौटने के दौरान ग्राम खोंधला निवासी कन्या कुमारी व रामविलास भी उनके साथ वाहन में सवार हो गए। रात लगभग 11 बजे ग्राम गुमगा में कार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खराब खड़े मिनी ट्रक में पीछे से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार रामविलास और कन्याकुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दान बहादुर सिंह व जीनामती घायल हो गए। घटना की सूचना पर सबसे पहले 112 की टीम मौके पर पहुंची तथा दोनों घायलों को सीएचसी उदयपुर इलाज हेतु पहुंचाया गया। वहीं थाना प्रभारी धींरेंद्र नाथ दुबे व सहायक उप निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह भी मौके पर पहुंचे तथा शवों को दुर्घटनाग्रस्त वाहन से निकलवाकर सीएचसी उदयपुर भिजवाया। सोमवार को शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौप दिया गया।

स्वास्थ्य मंत्री श्री टीएस सिंहदेव आज जिले में

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 19 सितंबर 2022(घटती-घटना)। छतीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टीएस सिंहदेव 20 सितम्बर 2022 को प्रातः 11 रायपुर से कार द्वारा प्रस्थान कर अपरान्ह 4 बजे उदयपुर पहुंचेंगे। श्री सिंहदेव उदयपुर में विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमां में शामिल हिने के पश्चात शाम 6 बजे अम्बिकापुर पहुंचेंगे।

त्रि.दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की कुलपति ने समीक्षा की

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 19 सितंबर 2022(घटती-घटना)। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजाए अंबिकापुर के यशस्वी कुलपति प्रो अशोक सिंह जी ने आज विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सभागार में त्रि. दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सम्बन्धी कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा की । यह सनद है कि परसो से विश्वविद्यालय में तीन दिन तक संगोष्ठी आयोजित हैए जो 21 से 23 सितंबरए 2022 में सम्पन्न होगा । इस हेतु विश्वविद्यालय में मा कुलपति जी ने आज समस्त अध्यापक अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की है। विश्वविद्यालय में संगोष्ठी की पूरी तैयारी हो चुकी है। मा कुलपति जी ने बताया कि यह विश्वविद्यालय का पहला अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी है जिसमें भूटान से सुश्री टेशरिंग पेमए दक्षिण अफ्रीका से प्रोफेसर एके मिश्राए कुवैत से डॉक्टर आरोन राशिद रब्बाहए अमेरिका से सुश्री अलंकृता सिंहए बिलासपुर से प्रोफेसर एच एस होताए रायपुर से प्रोफेसर संजय कुमारए लखनऊ से प्रोफेसर प्रीति मिश्राए अमरकंटक से प्रोफेसर तरुण कुमार ठाकुरए उड़ीसा से डॉक्टर संतोष कुमार सेठीए दिल्ली से प्रोफेसर बी आर गुप्ता और काशी हिंदू विश्वविद्यालयए वाराणसी से प्रोफेसर राधेश्याम दुबे प्रोफेसर मनोज कुमार सिंहए प्रोफेसर प्रभाकर सिंह और प्रोफेसर आशीष कुमार त्रिपाठी आदि विद्वान अपना व्याख्यान देंगे। यह सरगुजा के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। इन अतिथियों के अतिरिक्त कुल 70 प्रतिभागियों द्वारा तीन दिनों में शोध पत्रों का वाचन भी किया जाएगा। विश्वविद्यालय की मा कुलाधिपति राज्यपाल महोदया ऑनलाइन माध्यम से अपना विचार प्रदान करेंगी। इस अवसर पर शोध संक्षेपिका का विमोचन भी किया जाएगा। उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकि सत्र प्रारंभ किया जाएगाए जिसमें शोध पत्र पढ़े जाएंगे। प्रत्येक दिन दो सत्र संचालित किया जाएगा। इस संगोष्ठी का स्थल अम्बिकापुर स्थित वीरेन्द्र प्रभा होटल रखा गया है।

इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की समीक्षा बैठक में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विनोद कुमार एक्काए वित्त अधिकारी श्री राकेश सिन्हाए विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉक्टर राजकुमार उपाध्याय मणिए कार्यक्रम के समन्वयक श्री हरिशंकर प्रसाद टोंडे ए श्री आनंद कुमार ए डॉ धीरज कुमार यादवए श्रीसमन नारायण उपाध्यायए श्री असीम केरकेट्टाए डॉ अमृता कुमारी पंडाए डॉ जयस्तु दत्ताए डॉक्टर अर्णब बनर्जी और डॉक्टर मनोज कुमार झारियाए डॉ सुषमा केरकेट्टाए खेमकरण अहिरवार आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे ।

इसकी जानकारी विश्वविद्यालय के जन सम्पर्क अधिकारी डॉ राजकुमार उपाध्याय मणि ने दी है।

विशेष पिछड़ी जनजाति के नवीन कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 19 सितंबर 2022(घटती-घटना)। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार के निर्देशानुसार विशेष पिछड़ी जनजाति के नवनियुक्त कर्मियों को शासकीय कार्य एवं दायित्व संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अयोजित प्रशिक्षण सह स्वागत कार्यक्रम में नवनियुक्त कर्मियों को गुलाब पुष्प देकर स्वागत किया गया। सुदूर एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं के चेहरे स्वागत से खिल उठे। इसके उपरांत अपर कलेक्टर द्वय श्री एएल ध्रुव, श्रीमती तनुजा सलाम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री जेआर नागवंशी, अनुसंधान अधिकारी श्री डीपी नागेश, सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती उषा नेताम के द्वारा कार्यालय पद्धति, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम तथा शासकीय सेवकों के कर्तव्य सहित अन्य विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

CMYK

जिले में डंके की चोट पर हो रहा रेत का उत्खनन

-ओमकार पांडेय-
सूरजपुर 19 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिले में एनजीटी की पाबंदी के बावजूद नदियों से रेत का उत्खनन व परिवहन किया जा रहा है। दरअसल राज्य सरकार ने 10 जून से 15 अक्टूबर तक के लिए नदियों से रेत निकालने पर पाबन्दी लगाई हैं। मगर जिले में रेत ठेकेदार सरकारी नियम कायदों की परवाह किये बिना डंके की चोट पर नदियों से रेत का उत्खनन कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिले के ब्लॉक भैयाथान व सूरजपुर नदी से रेत ट्रेक्टर व 407 वाहन से रेत का परिवहन कर रहे हैं। नदी से रेत लेकर जा रही 407 वाहन के चालक से बात की गई तो उसने बताया कि रेत निकालने के एवज में गांव में प्रत्येक गाड़ी का 700 रुपए देते हैं। चालक से रॉयल्टी पटाने की बात पूछने पर उसने इससे अनभिज्ञता जाहिर की। बता दे कि

कुरुवां, कोरेया, रतनपुर, कांसापारा, जयनगर , राजापुर , कांतीपुर , सत्तीपारा , खडगवा कला, बंशीपुर, हर्राटिकरा , कदरंई, समौली, रेवटी,नमनाकला, पम्पापुर, समौली, सोहागपुर,दरिपारा सहित जिले के अन्य इलाके में भी स्थित यही है।जानकारों के अनुसार नदी के जल-प्रवाह और मछलियों की ही तरह रेत नदियों को सेहतमंद रहने में मदद करता है। यह भू-जल के पुनर्भरण के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है और प्रवाही जल में पोषक-तत्वों की आपूर्ति करता है। नदियों में जल-प्रवाह की कमी के दिनों में रेत जल-प्रवाह को बनाये रखने में मदद करता है। विभिन्न प्रकार के जलीय जीव-जंतुओं के प्राकृतिक वास के लिहाज से भी रेत महत्वूर्ण है।रेत ठेकेदारों द्वारा जिस तरह से रेत का खनन कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है इसके पीछे खनिज विभाग की मौन स्वीकृति समझी जा रही है।

साहू समाज के खिलाफ हुए आपत्ति जनक पोस्ट पर समाज में आक्रोश

-ओमकार पांडेय-
सूरजपुर 19 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कुछ लोग समाज में दीमक की तरह है। अपना समाज को बेहतर और अन्य समाज को बाहरी बताकर नीचे दिखाने व सामाजिक शौहर्दय बिगाड़ने का कार्य करते है। ऐसे ही एक युवक को साहू समाज को बाहरी व नक्सल बताना महंगा पड़ गया है। समूचा सुरजपुर जिले का साहू समाज में आक्रोश है। समाज के दर्जनों युवाओं ने कोतवाली थाना में देर रात्रि कार्यवाही की मांग की, थानां प्रभारी द्वारा गोल मोल करने पर आक्रोशित युवाओं ने थानां परिसर में जमकर हल्ला बोला और हंगामा किया जिसके बाद कोतवाली प्रभारी ने अपराध दर्ज की है।

जानकारी के मुताबिक 18 सितम्बर को आरोपी धर्मेंद्र सिंह पोया पिता खेमराज पोया निवासी ग्राम पम्पापुर ने फेसबुक में फर्जी आईडी गोड़वाना का गुंडा बनाया हुआ है। जिसमें आरोपी ने रविवार को एक पोस्ट किया जिसमें लिखा कि ÷छत्तीसगढ़ के नक्सली मन से मोर निवेदन हे हमर गाँव पम्पापुर मा, आप मन आव, ईहा के परदेशिया सिंगरोलीहा तेली मन के अत्याचार बाढ़ गे हे ओ मन ला समाप्त करें बर÷

ये पोस्ट शोशल मीडिया में बड़े तेजी से वायरल होने लगा और साहू समाज ही नही अपितु अन्य समाज के लोग आक्रोशित होने लगे, जो देर रात्रि युवाओ का गुस्सा फूट पड़ा, दुदराज से ग्रामीण अंचल के युवा सुरजपुर जिला मुख्यालय में एकत्रित होने लगे और थाना सिटी कोतवाली थाना रात्रि 12 बजे के आस पास पहुँचे जहां मौजूद थाना प्रभारी श्री राठौर ने अपराध दर्ज करने पर गोल मोल जवाब देने लगे आक्रोशित युवाओं ने थानां में जमकर हल्ला बोला थानां परिसर में ही धरना पर बैठ गए। जिसके बाद भी थाना प्रभारी ने साहू समाज के युवा प्रकोष्ठ के लिखित शिकायत पर पुलिस ने धारा 153 (ए) 505 (2) के तहत अपराध दर्ज की है। इस कार्यवाही से साहू समाज असन्तुष्ट है। अन्य धारा के जोड़ने गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग की जा रही है। जल्द ही कार्यवाही नही होने उग्र आंदोलन के लिए साहू समाज बाध्य होगा।

साल चिरान ले जा रहे ट्रैक्टर को ग्रामीणों ने पकड़कर वन विकास निगम के किया हवाले

-ओमकार पांडेय-
सूरजपुर 19 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। । जिले के प्रेमनगर विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम महेशपुर के जंगल में वन विकास निगम की लापरवाही से ग्रामीणों ने अवैध कब्जा जमा रखा था, जिसे बीते दिनों विभाग द्वारा दल बल के साथ हटाया गया। वहीं दूसरे दिन लड़की चिरान की अवैध तस्करी करते एक ट्रैक्टर को ग्रामीणों ने पकड़ कर वन निगम को सौंपा है। वाहन को राजसात करने की तैयारी की जा रही है। गौरतलब है कि वन विकास निगम के वन परिक्षेत्र उदयपुर अन्तर्गत कक्ष 1938 महेशपुर में 17 सितम्बर की रात्रि में अवैध चिरान का परिवहन करते ट्रैक्टर को महेशपुर के ग्रामीण संतोष तथा शिरोधन द्वारा पकड़ा गया। ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 15 सी आर 9175 से कुल 06 नग साल चिरान जब्त किया गया। वन विकास निगम द्वारा ट्रैक्टर व वनोपज को जब्त कर राजसात की कार्यवाही की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि वन अमले की वजह से जंगलों से लकड़ियों की तस्करी धड़ल्ले से हो रही है। वन कर्मी फील्ड का दौरा नहीं करते, इसकी वजह से लकड़ी तस्करी हो रही है।

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-16092022-238872
CG-DL-E-16092022-238872

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4143] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 14, 2022/भाद्र 23, 1944
No. 4143] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 14, 2022/BHADRA 23, 1944

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2022

का.आ. 4324(अ).—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 (1956 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले के सीतापुर तहसील में रा. रा. क्र. 43 (पुराना रा. रा. क्र. 78) के कि.मी. 383+000 से कि.मी.452+000 तक के भू-खण्ड (अंबिकापुर से पत्थलगांव खंड) के निर्माण (चौड़ीकरण/पेव्ड शोल्डर सहित 2-लेन/4-लेन का बनाना आदि), अनुरक्षण, प्रबन्धन और प्रचालन के लोक प्रयोजन के लिए वह भूमि अपेक्षित है जिसका संक्षिप्त वर्णन नीचे अनुसूची में दिया गया है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ।

कोई भी व्यक्ति, जो उक्त भूमि में हितबद्ध है, उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (1) के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग पर राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इक्कीस दिन के भीतर अपनी आपत्ति प्रकट कर सकेगा ।

ऐसी प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व),सीतापुर, जिला सरगुजा (छ. ग.) को लिखित रूप मे प्रस्तुत की जाएगी और उसमें उसके आधार अधिकथित किए जाएंगे और सक्षम प्राधिकारी, आपत्तिकर्ता को व्यक्तिगत रूप मे या किसी विधिक पेशेवर द्वारा सुने जाने का अवसर देगा और ऐसी आपत्तियों की सुनवाई के पश्चात् तथा ऐसी और जाँच करने के पश्चात्, यदि कोई हो, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा या तो आपत्तियों को अनुज्ञात कर सकेगा या अननुज्ञात कर सकेगा ।

6181 GI/2022 (1)

2 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART II—SEC. 3(ii)]

उक्त अधिनियम की धारा 3ग की उप-धारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा ।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि के रेखांक और अन्य ब्यौरे सक्षम प्राधिकारी के उक्त कार्यालय में उपलब्ध हैं और उनका हितबद्ध व्यक्तियों द्वारा निरीक्षण किया जा सकता है ।

अनुसूची

छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले के सीतापुर तहसील में रा.रा. क्र. 43 (पुराना रा.रा. क्र. 78) के कि.मी. 383+000 से कि.मी.452+000 के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना रहित अथवा संरचना सहित भूमि का संक्षिप्त विवरण

राज्य का नाम: छत्तीसगढ़	जिले का नाम: सरगुजा				
क्रमिक संख्या	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृति	भूमि का क्षेत्रफल (स्थानीय इकाई)	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)
तालुक का नाम: सीतापुर					
गांव का नाम: बमलाया					
1	10/2	निजी	असिंचीत कृषि	0.1290000(हेक्टेयर)	0.1290000
गांव का नाम: चेलता					
1	263/1	निजी	आवासीय एवं असिंचित कृषि	0.0320000(हेक्टेयर)	0.0320000
2	267/2	निजी	आवासीय एवं असिंचीत कृषि	0.0210000(हेक्टेयर)	0.0210000
गांव का नाम: गुदुरमा					
1	1257/3	निजी	असिंचीत कृषि	0.0280000(हेक्टेयर)	0.0280000
2	1257/4	निजी	असिंचीत कृषि	0.0280000(हेक्टेयर)	0.0280000
3	1257/5	निजी	असिंचीत कृषि	0.0280000(हेक्टेयर)	0.0280000
4	1359/3	निजी	असिंचीत कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
5	1359/4	निजी	असिंचीत कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
6	1533/4	निजी	आवासीय एवं असिंचित कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
7	1533/5	निजी	असिंचीत कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
8	1541	निजी	असिंचीत कृषि	0.0930000(हेक्टेयर)	0.0930000
9	185/2	निजी	असिंचीत कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
10	185/4	निजी	असिंचीत कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
11	185/5	निजी	असिंचीत कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
12	185/6	निजी	असिंचीत कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
13	214	निजी	आवासीय एवं असिंचित कृषि	0.0080000(हेक्टेयर)	0.0080000

[भाग II—खण्ड 3(ii)] भारत का राजपत्र : असाधारण 3

14	219/2	निजी	आवासीय एवं असिंचित कृषि	0.0180000(हेक्टेयर)	0.0180000
15	700	निजी	असिंचीत कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
16	701/1	निजी	असिंचीत कृषि	0.0320000(हेक्टेयर)	0.0320000
17	702/1	निजी	असिंचित कृषि	0.1090000(हेक्टेयर)	0.1090000
18	702/2	निजी	सिंचित कृषि	0.0410000(हेक्टेयर)	0.0410000
19	703	निजी	असिंचीत कृषि	0.0660000(हेक्टेयर)	0.0660000
20	704	निजी	असिंचित कृषि	0.1420000(हेक्टेयर)	0.1420000
21	705	निजी	असिंचित कृषि	0.0240000(हेक्टेयर)	0.0240000
22	708	निजी	असिंचित कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
23	709	निजी	असिंचित कृषि	0.0250000(हेक्टेयर)	0.0250000
24	710/2	निजी	सिंचित कृषि	0.0480000(हेक्टेयर)	0.0480000
25	711	निजी	असिंचित कृषि	0.1160000(हेक्टेयर)	0.1160000
26	712	निजी	असिंचित कृषि	0.0720000(हेक्टेयर)	0.0720000
27	938/1	निजी	व्यपवर्तित	0.0560000(हेक्टेयर)	0.0560000
28	938/2	निजी	व्यपवर्तित	0.0290000(हेक्टेयर)	0.0290000
29	944	निजी	असिंचित कृषि	0.0240000(हेक्टेयर)	0.0240000
30	945	निजी	असिंचित कृषि	0.1180000(हेक्टेयर)	0.1180000
31	948	निजी	असिंचित कृषि	0.0210000(हेक्टेयर)	0.0210000
32	949	निजी	असिंचित कृषि	0.0300000(हेक्टेयर)	0.0300000
गांव का नाम: प्रतापगढ़					
1	166/1	निजी	व्यपवर्तित	0.0450000(हेक्टेयर)	0.0450000
2	1967	निजी	असिंचीत कृषि	0.0460000(हेक्टेयर)	0.0460000
3	44/4	निजी	व्यपवर्तित	0.0030000(हेक्टेयर)	0.0030000
गांव का नाम: राधापुर					
1	582/2	निजी	असिंचीत कृषि	0.1200000(हेक्टेयर)	0.1200000
2	582/5	निजी	असिंचीत कृषि	0.0300000(हेक्टेयर)	0.0300000
3	582/6	निजी	असिंचीत कृषि	0.1300000(हेक्टेयर)	0.1300000
4	582/7	निजी	असिंचित कृषि	0.0280000(हेक्टेयर)	0.0280000

4 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART II—SEC. 3(ii)]

5	668/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0090000(हेक्टेयर)	0.0090000
6	668/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0320000(हेक्टेयर)	0.0320000
7	668/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0320000(हेक्टेयर)	0.0320000
8	668/4	निजी	असिंचित कृषि	0.0240000(हेक्टेयर)	0.0240000
9	669/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0440000(हेक्टेयर)	0.0440000
10	669/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0460000(हेक्टेयर)	0.0460000
11	669/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0440000(हेक्टेयर)	0.0440000
12	669/4	निजी	असिंचित कृषि	0.0440000(हेक्टेयर)	0.0440000
13	669/5	निजी	असिंचित कृषि	0.0460000(हेक्टेयर)	0.0460000
14	669/6	निजी	असिंचित कृषि	0.0460000(हेक्टेयर)	0.0460000
15	669/7	निजी	असिंचीत कृषि	0.0480000(हेक्टेयर)	0.0480000
16	670/2	निजी	असिंचीत कृषि	0.0200000(हेक्टेयर)	0.0200000
17	670/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0480000(हेक्टेयर)	0.0480000
18	670/5	निजी	असिंचित कृषि	0.0250000(हेक्टेयर)	0.0250000
19	670/6	निजी	असिंचित कृषि	0.0360000(हेक्टेयर)	0.0360000
20	685/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0460000(हेक्टेयर)	0.0460000
21	685/10	निजी	असिंचित कृषि	0.0270000(हेक्टेयर)	0.0270000
22	685/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0440000(हेक्टेयर)	0.0440000
23	685/4	निजी	असिंचित कृषि	0.0270000(हेक्टेयर)	0.0270000
24	685/5	निजी	असिंचित कृषि	0.0460000(हेक्टेयर)	0.0460000
25	685/6	निजी	असिंचित कृषि	0.0460000(हेक्टेयर)	0.0460000
26	685/7	निजी	असिंचित कृषि	0.0440000(हेक्टेयर)	0.0440000
27	685/8	निजी	असिंचित कृषि	0.0440000(हेक्टेयर)	0.0440000
28	685/9	निजी	असिंचित कृषि	0.0270000(हेक्टेयर)	0.0270000
गांव का नाम: सीतापुर					
1	111/1	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0560000(हेक्टेयर)	0.0560000
2	111/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0200000(हेक्टेयर)	0.0200000
3	113/1	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0330000(हेक्टेयर)	0.0330000

[भाग II—खण्ड 3(ii)] भारत का राजपत्र : असाधारण 5

4	113/2	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0320000(हेक्टेयर)	0.0320000
5	114	निजी	असिंचीत कृषि	0.0240000(हेक्टेयर)	0.0240000
6	115/8	निजी	असिंचित कृषि	0.0280000(हेक्टेयर)	0.0280000
7	1477/2	निजी	आवासीय एवं असिंचीत कृषि	0.0410000(हेक्टेयर)	0.0410000
8	1480/4	निजी	आवासीय एवं असिंचित कृषि	0.0720000(हेक्टेयर)	0.0720000
9	1782/1	निजी	असिंचीत कृषि	0.0560000(हेक्टेयर)	0.0560000
10	1782/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0410000(हेक्टेयर)	0.0410000
11	1787/1	निजी	नाला/चवर	0.0440000(हेक्टेयर)	0.0440000
12	1791	निजी	असिंचीत कृषि	0.0220000(हेक्टेयर)	0.0220000
13	1795/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0320000(हेक्टेयर)	0.0320000
14	1799/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
15	1801	निजी	असिंचित कृषि	0.0060000(हेक्टेयर)	0.0060000
16	1848/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0550000(हेक्टेयर)	0.0550000
17	422/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000(हेक्टेयर)	0.0120000
18	423	निजी	असिंचित कृषि	0.0170000(हेक्टेयर)	0.0170000
19	441	निजी	असिंचीत कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000
20	444/2	निजी	असिंचीत कृषि	0.0080000(हेक्टेयर)	0.0080000
21	450/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0860000(हेक्टेयर)	0.0860000
22	450/4	निजी	असिंचित कृषि	0.2400000(हेक्टेयर)	0.2400000
23	457	निजी	असिंचीत कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
24	49/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
25	557	निजी	असिंचित कृषि	0.0020000(हेक्टेयर)	0.0020000
26	558/1	निजी	आसिंचित कृषि	0.0800000(हेक्टेयर)	0.0800000
27	558/2	निजी	असिंचीत कृषि	0.0080000(हेक्टेयर)	0.0080000
28	565/2	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0480000(हेक्टेयर)	0.0480000
29	566	निजी	असिंचित कृषि	0.0450000(हेक्टेयर)	0.0450000
30	581	निजी	असिंचीत कृषि	0.0800000(हेक्टेयर)	0.0800000
31	96/1	निजी	असिंचीत कृषि	0.0040000(हेक्टेयर)	0.0040000

6 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART II—SEC. 3(ii)]

32	99	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000(हेक्टेयर)	0.0100000
गांव का नाम: सोनतरई					
1	1328/1	निजी	आवासीय	0.0350000(हेक्टेयर)	0.0350000
2	1328/16	निजी	आवासीय	0.0350000(हेक्टेयर)	0.0350000
3	1328/21	निजी	असिंचित कृषि	0.0300000(हेक्टेयर)	0.0300000
4	1328/22	निजी	असिंचीत कृषि	0.0120000(हेक्टेयर)	0.0120000
5	1328/23	निजी	असिंचीत कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
6	1332/2	निजी	असिंचीत कृषि	0.0490000(हेक्टेयर)	0.0490000
7	1332/4	निजी	आवासीय एवं असिंचित कृषि	0.0180000(हेक्टेयर)	0.0180000
8	1333/3	निजी	असिंचीत कृषि	0.0260000(हेक्टेयर)	0.0260000
9	1335/15	निजी	आवासीय एवं व्यपवर्तित	0.0480000(हेक्टेयर)	0.0480000
10	1335/17	निजी	आवासीय एवं असिंचीत कृषि	0.0490000(हेक्टेयर)	0.0490000
11	1335/9	निजी	आवासीय एवं व्यपवर्तित	0.0480000(हेक्टेयर)	0.0480000
गांव का नाम: सुर					
1	1621/1	निजी	असिंचीत कृषि	0.0480000(हेक्टेयर)	0.0480000
2	1687/2	निजी	असिंचीत कृषि	0.0160000(हेक्टेयर)	0.0160000
3	1702	निजी	आवासीय एवं असिंचित कृषि	0.0220000(हेक्टेयर)	0.0220000
4	3484/3	निजी	असिंचीत कृषि	0.0200000(हेक्टेयर)	0.0200000
			कुल	4.4850	4.4850

[फा. सं. RW/NH-37014/16/2013-NHDP-IVA/3A]

राजेश गुप्ता, निदेशक

जी.नं.-33930/1

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय चिरनिद्रा में हुईं लीन

ब्रिटेन की प्यारी महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय की अंतिम यात्रा सोमवार को वेस्टमिंस्टर एबे से विंडसर कैसल पहुंची और फिर किंग जॉर्ज छठें की स्मृति चैपल में उन्हें दफन कर दिया गया

लंदन/बर्मिंघम, 19सितम्बर 2022। महारानी ने अपने 21 वें जन्मदिन पर राजकुमारी एलिजाबेथ के तौर पर ब्रिटेन को पहली बार संबोधित किया था. उनकी ये स्पीच कैप टॉउन से रेडियो पर ब्रॉडकास्ट हुई थी. तब उन्होंने कहा, मैं इसका एलान करती हूं कि मेरा जीवन छोटा हो या लंबा हमेशा आपकी सेवा के लिए ही लगा रहेगा. ब्रिटेन की यही महारानी उम्र के 96 वसंत पार कर सोमवार को जॉर्ज छठे के स्मृति चैपल में सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई. ब्रिटेन का शाही परिवार ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया 25 साल में महारानी बन सबसे लंबे वक्त राज करने वाली महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय को आखिरी विदाई देने के लिए उमड़ पड़ा था. यहां महारानी की इसी यादगार विदाई के पलों को महसूस कीजिए।

याद आएंगे कुछ पल...

ब्रिटेन में लंबे वक्त तक राज करने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय कई मायनों में खास रहीं. फिर चाहे ये उनका ब्रिटेन की राजशाही की बागडोर संभालना हो या फिर अपने आखिरी दम तक महारानी बने रहना हो. इतनी खास महारानी की आखिरी विदाई के लम्हें भी बेहद खास रहे. महारानी का ताबूत उनके लंदन के शाही आशियाने बकिंघम पैलेस से शुरू हुए अंतिम सफर के बाद बुधवार 14 सितंबर को संसद भवन के वेस्टमिंस्टर हॉल लाया गया था.

किंग चार्ल्स तृतीय के बेटे प्रिंस विलियम,प्रिंस हैरी और शाही परिवार के वरिष्ठ सदस्य तोपगाड़ी में रखे ताबूत के पीछे महारानी के सम्मान में रहे।महारानी की बेटी प्रिंसेस एनी और प्रिंस एंड्रयू तथा प्रिंस एडवर्ड भी ताबूत वाले वाहन के पीछे चल रहे थे. यहां चार दिन तक ब्रिटेन की आम जनता के दर्शनों और श्रद्धांजलि के लिए उनके ताबूत को 'लाइंग-इन-स्टेट' में रखा गया था।

अंतिम संस्कार की रस्मों से पहले भावुक किंग चार्ल्स ने कहा कि उनके और शाही खानदान के संग जनता ऐसे साथ रही है कि इस एहसास ने उनका दिल छू लिया है. ब्रिटेन के वक्त के मुताबिक यहां लोगों ने शाम पांच बजे से लेकर सोमवार सुबह साढ़े छह बजे तक अपनी प्यारी महारानी के दर्शन किए।

ताजपोशी का सफर जहां से शुरू वहीं खत्म

ब्रिटेन के समय के मुताबिक यहां से सोमवार सुबह 8 बजे से शाही सम्मान के साथ रखे गए दिवंगत महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय के नश्वर शरीर का आगे के सफर शुरू हुआ. सुबह 9.44 बजे वेस्टमिंस्टर हॉल से महारानी का ताबूत आगे के सफर के लिए बढ़ा।महारानी के ताबूत को वेस्टमिंस्टर हाल से एबे तक रॉयल नेवी के स्टेट गन कैरेज में 142 यूनीकॉर्न पहने नाविक खींचकर ले गए।इस कैरेज का इस्तेमाल साल 1979 में लॉर्ड माउंटबेटन और साल 1952 में महारानी के पिता किंग जॉर्ज छठे के अंतिम संस्कार में हुआ था. सबसे पहले उनके आखिरी सफर का ये जुलूस वेस्टमिंस्टर एबे पहुंचा। ये वहीं जगह है जहां 20 नवंबर 1947 में उनका प्यार एडिनबरा के ड्यूक प्रिंस फ़िलिप के साथ आधिकारिक हुआ। इसी जगह से महारानी के ब्रिटेन की राजशाही चलाने का जून 1953 में आगाज हुआ। इसी जगह से महारानी की ताजपोशी हुई और यही जगह उनके आखिरी सांस तक महारानी रहने के आखिरी पलों की गवाह बनी. यहां उन्हें आखिरी विदाई देने आए हजारों लोगों की मौजूदगी में एक धार्मिक कार्यक्रम हुआ। इसके बाद ब्रिटेन की सबसे लंबे वक्त तक शासन करने वाली महारानी के पार्थिव शरीर को सेकेंड सर्विस के लिए विंडसर कैसल लाया गया। यहां महारानी को सम्मान देने के बाद आखिर में उन्हें शाही परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में किंग जॉर्ज छठे की याद में बने चैपल में दफन किया गया। महारानी का अंतिम संस्कार साल 1960 में विंस्टन चर्चिल के बाद सबसे खास और भव्य शाही अंतिम संस्कार रहा. बकिंघम पैलेस के मुताबिक़ महारानी एलिज़ाबेथ ने अपने आखिरी सफर की तैयारियां पहले ही खुद कर के रखी थीं. इसके लिए उन्होंने निजी तौर पर कुछ चीजें जोड़ी थी।

पल-पल अलविदा का ये सफर रहा यादगार

ब्रिटेन के वक्त के मुताबिक 10:44 अंतिम संस्कार के कार्यक्रम आगे बढ़ने लग गया था। दिवंगत महारानी के पार्थिव शरीर को वेस्टमिंस्टर एबे तक वहीं खुली ताबूत वाली गाड़ी लेकर आई, जिसमें उन्हें वेस्टमिंस्टर हाल लाया गया था। रॉयल नेवी के स्टेट गन कैरेज में 142 यूनीकॉर्न पहने नाविक खींचकर ले जा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे महारानी शान से अपने आखिरी सफर की तरफ कदम बढ़ा रहीं हों। किंग चार्ल्स जॉर्ज छठ के बेटे प्रिंस विलियम, प्रिंस हैरी के संग शाही खानदार के बुजुर्ग सदस्य महारानी के इस आखिरी सफर में गन कैरेज के पीछे-पीछे चल रहे थे. ये ऐसा आभास दे रहा था।जैसे ये कह रहे हों हम आपके कदमों पर चलते रहेंगे आप हमारे दिलों में हमेशा मुस्कुराती रहेंगी।

महारानी के इस सफर में आगे-आगे चल रहे स्कॉटलैंड और आयरलैंड रेजिमेंट के बैंड-बाजों की धुनें माहौल के गमगीन होने पर भी राजशाही के शानो- शौकत के कसीदे पढ़ती नजर आ रही थीं। संग में रॉयल एयरफोर्स और गोरखा सदस्य राजशाही के फक्र को बयां कर रहे थ) तो इस रास्ते में खड़े रॉयल नेवी और रॉयल मरीन के जवान महारानी की शान में कदम ताल करते दिखे. पॉर्लियामेंट स्क्वायर पर जब यूके की तीनों सेनाओं ने महारानी के सम्मान में गॉर्ड ऑफ़ ऑनर दिया तो ऐसे लगा जैसे ये महारानी की गौरव गाथा आकाश को सुना रहे हैं. साथ में रॉयल मरींस बैंड की धुनों ने समां बांधा। जैसे ये कह रही हों याद आएंगी आप पल-पल हर पल प्यारी महारानी एलिजाबेथ।

विदाई की शाही रस्में बन गईं यादगार

वेस्टमिंस्टर हॉल से कुछ दूरी पर वेस्टमिंस्टर एबे के दरवाज़े मेहमानों के आने के लिए सुबह 8 बजे से खुल गए थे. दुनिया भर के शाही खानदानों संग मशहूर राष्ट्राध्यक्ष और मशहूर राजनेता लंदन में महारानी को अलविदा कहने पहुंचे थे।वहीं ब्रिटेन के प्रभावशाली राजनेता और यूके के पूर्व प्रधामंत्रियों ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। यहां कार्यक्रम 11.00 बजे शुरू हुआ और इसके साथ शुरू हुआ अहम मेहमानों का आना. संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति और प्रथम महिला जो बाइडेन और जिल बाइडेन के साथ पहुंचे. कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों महारानी को आखिरी विदाई देने पहुंचे थे।

वहीं यूरोप भर के शाही खानदानों के सदस्य भी महारानी को आखिरी अलविदा कहने पहुंचे थे।इनमें महारानी के रिश्तेदार भी शामिल रहे। बेल्जियम के किंग फिलीप और क्वीन माथिल्डे संग स्पेन के किंग फिलीप के साथ क्वीन लेटीजिया भी पहुंची।. करीबन 2000 लोग महारानी की रुखस्ती के लिए यहां पहुंचे थे. महारानी को दफन करने वाली ये रस्में सख्त कायदों में हुई। इसके सेना के मार्च और लाइंग इन स्टेट जैसे प्रोटोकॉल यहां आने वाले विदेशी मेहमानों के जेहन में तामउम्र की यादगार बन गए। साल 2002 में महारानी एलिजाबेथ की मां को भी यहीं अंतिम विदाई दी गई थी। हालांकि 18 वीं सदी के बाद से वेस्टमिंस्टर एबे किसी भी शहंशाह की आखिरी विदाई से महरूम रहा है.

दुआओं में भी यादें रहेंगी जीवित

महारानी की आखिरी वक्त की प्रार्थनाओं में वेस्टमिंस्टर केडीन डेविड होली आर्कबिशप ऑफ़ कैंटरबरी जस्टिन वेल्बी ने उनकी बातों उनकी यादों को इस तरह शामिल किया कि वहां मौजूद लोगों की आंखों में नमी के संग एक चमक भी दिखाई दी। इस दौरान वहां मौजूद यूके की प्रधानमंत्री लिज़ ट्रस भी दुआएं करती दिखीं। ब्रिटने के स्थानीय समय 11:55 वेस्टमिंस्टर एबे में अंतिम संस्कार की आखिर में थोड़े वक्त के लिए बिगुल बजाया गया। इसकी आवाज बेहद कम वक्त में ही बता दिया कि महारानी क्या थीं और कितनी अहम थीं.

इसके बाद रखा गया दो मिनट का मौन जैसे बोल रहा था एलिजाबेथ द्वुद्व तुम अद्भुत और शानदार थीं. बीच दोपहर के वक्त बजा यूके का राष्ट्रगान याद दिला रहा था वो वादा जो जो 21 साल की राजकुमारी एलिजाबेथ ने अपने वतन से किया था कि मेरा जिंदगानी लंबी हो या छोटी वो आपकी खिदमत में रहेगी. महारानी के बांसुरी वादक के बजाए शोकगीत में जैसे महारानी की यादें गूंज रही थी. इसी के साथ दुआओं का ये सिलसिला यहीं थम गया.

जब बिग बेन गाया क्वीन का तराना

ब्रिटेन के 12.15 बजे महारानी के ताबूत को वेस्टमिंस्टर एबे से पैदल मार्च के साथ लंदन में हाइड पार्क के कोने वेलिंगटन आर्क में लाया गया. लंदन की सड़कों से गुजरती महारानी की इस आखिरी विदाई की रफ्तार धीमी ही थी। कतारों में खड़े ब्रितानी सेनाओं के जवानों का काफिला महारानी की इस आखिरी विदाई को शाही समारोह का पुख्ता और शानदार सुबूत था. बिग बेन से हर मिनट पर बजाई जा रहीं घंटियां महारानी की आखिरी नींद में उन्हें लोरी सुनाए जाने का एहसास करा रहीं थीं।

हाइड पार्क से हर एक मिनट पर दी गई तोपों की सलामी जैसे कह रही थी जेहन में हमारे ताजा रहेगा चेहरा तुम्हारा, दिलों में हमारे गूंजेगी तुम्हारी ही गौरव गाथाएं हमेशा दर्शक दीर्घाओं में खड़े मौन साधे आम लोग कह रहें हो जैसे तुम को भुला न पाएंगे। हम महारानी के इस आखिरी सफर में सबसे आगे चल रहे रॉयल कनेडियन माउंटेड पुलिस के घुड़सवार शाही रुतबे का दिखा रहे थे तो सात समूहों के बैंड महारानी की शोहरत सुनाते लगे. ब्रिटेन और कॉमनवेल्थ सैन्य सदस्य, पुलिस और एनएचएस के सैन्य सदस्यों ने भी इस शव यात्रा को यादगार बनाने में कसर नहीं छोड़ी।.

ताबूत के पीछे महारानी के बेटे किंग चार्ल्स शाही खानदान के लोगों की अगुवाई करते जैसे बिन कहें ही कह रहे हो मां आप बहुत याद आएंगी। शाही खानदान की औरतें क्वीन कंसॉर्ट कैमिला, द प्रिंसेस ऑफ़ वेल्स, द काउंटेस ऑफ़ वेसेक्स और द डचेज़ ऑफ़ ससेक्स भी कारों के काफिले में महारानी को अलविदा कहने पहुंची थी। दोपहर लगभग 1 बजे के करीब वेलिंगटन आर्क से महारानी के ताबूत को नए शव वाहन में रखकर विंडसर कासल के आखिरी सफर के लिए रवाना किया गया। बीते 1000 साल से विंडसर कैसल कभी अकेला नहीं रहा. ये ब्रिटेन के शाही खानदान के 40 सम्राट-सम्राज्ञी का आशियाना रहा।. महारानी के जिंदगी में भी ये कैसल हमेशा अहम रहा. जब दूसरे विश्व युद्ध के दौरान लंदन पर बमबारी का खतरा मंडराया तो महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की सुरक्षा के लिए उन्हें यही भेजा गया था. कोराना महामारी में भी ये महारानी का आशियाना रहा।

जब आम लोगों की नजरों से दूर हुई

जब विंडसर कासल की पांच किलोमीटर लंबे पैदल मार्च के लिए महारानी के ताबूत का वाहन पहुंचा वो नजारा देखने लायक था। सेना के जवान महारानी के इस आखिरी काफिले का इस्तकबाल करने कतारों में खड़े रहे। ये सफर आम लोगों की नजरों से दूर रहा क्योंकि इस सड़क पर उन्हें आने की मंजूरी नहीं दी गई थी। इसके कुछ देर बाद ही किंग जॉर्ज और ब्रितानी शाही खानदान के बुजुर्ग सदस्यों ने विंडसर कासल के अहाते के जुलूस शिरकत की. इसके साथ ही महारानी का ताबूत

प्रार्थना के लिए सेंट जॉर्ज चैपल में ले जाया गया.

ये चर्च शाही खानदान के बप्तिस्मा यानी नामकरण संस्कार, शादियों के साथ आखिरी वक्त का भी गवाह बनता रहा. महारानी के पति और प्यार ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग प्रिंस फिलिप को भी अंतिम विदाई यहीं दी गई थी। साल 2018 में शाही खानदान के ड्यूक एंड डचेज़ ऑफ़ ससेक्स प्रिंस हैरी और मेगन की शादी भी यहीं हुई। इस कैसल की प्रार्थना सभा बेहद निजी रही. इसमे लगभग 800 मेहमान पहुंचे थे।विंडसर के डीन डेविड कॉनर ऑर्क बिशप ऑफ़ कैंटरबरी जस्टिन वेल्बी ने साथ मिलकर यहां प्रार्थना सभा की।.

जब छूटे महारानी के राजशाही के प्रतीक

इस आखिरी प्रार्थना सभा में ऐसी रस्मों को भी अंजाम दिया गया, जिसमें महारानी के राजशाही के खत्म होने को पुख्ता किया गया।. ये काफी भावुक पल रहा. इस दौरान क्राउन जूलर ताबूत से इंपीरियल स्टेट क्राउन यानी शाही ताज को हटाया गया. इसके साथ ही शाही गहनों, राजदंड को भी रानी के ताबूत से अलग किया गया।. इसी के साथ आखिरी बार महारानी का शाही क्राउन से हमेशा के लिए नाता टूट गया।

आखिरी मंत्रों के वक्त किंग क्वीन के अनुष्ठानिक दायित्व निभाने वाले वरिष्ठ पैदल गार्ड ग्रेनाडियर गार्ड ने कंपनी कैंप कलर को ताबूत पर रखा ठीक इसी वक्त द लॉर्ड चैंबरलेन एमआई 15 के पूर्व प्रमुख बेरोन पार्कर ने अपने कार्यकाल की छड़ी तोड़ डाली।. इस टूटी छड़ी को महारानी के ताबूत पर रख दिया गया. शाही खानदान में इसका टूटना सबसे सर्वोच्च अधिकारी के तौर पर उसकी ड्यूटी के खत्म होने का संकेत होता है।

ऐसे उतरा ताबूत वॉल्ट में

महारानी के वादकों ने प्रार्थना संगीत बजाकर जैसे उनके ताबूत को शाही वॉल्ट में उतारने का इशारा कर दिया।. गॉड सेव द किंग गीत से माहौल गूंज उठा।. बकिंघम पैलेस के मुताबिक विंडसर कैसल में इस संगीतमय माहौल की चाह महारानी ने मौत से पहले ही रख दी थी।. इसके साथ ही अंतिम संस्कार की प्रार्थना सभा खत्म हुई और शाही खानदान के सदस्यों ने चैपल से विदा ली।.

शाम के वक्त शाही खानदान की बेहद निजी प्रार्थना के बाद महारानी को उनके पति ड्यूक ऑफ़ एडिनबरा के नजदीक ही किंग जॉर्ज छठें की याद में बने चैपल में दफ़ना दिया गया। ये सेंट जॉर्जेज़ चैपल अंदर ही है।. महारानी के नाम की संगरमरमर स्मृति पट पर लिखा एलिजाबेथ द्वितीय 1926-2022 हमेशा उनकी याद दिलाता रहेगा।.

हिजाब को लेकर पुलिस कस्टडी में लड़की की मौत पर हंगामा

तेहरान , 19 सितम्बर 2022। ईरान में हिजाब को लेकर पुलिस कस्टडी में हुई लड़की की मौत के बाद हंगामा बढ़ता ही जा रहा है। बड़ी संख्या में महिलाएं और लड़कियां सड़कों पर प्रदर्शन के लिए उतरी हुई हैं। ईरान में हिजाब पहनने के सख्त कानून के बावजूद महिलाएं हिजाब उतारकर और कई जगहों पर हिजाब जलाकर अपना विरोध जता रही हैं। इसी बीच ऐसे वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं जिनमें ईरानी लड़कियां अपने बालों को कैंची से काटती हुई नजर आ रही हैं।

22 साल की महसा अमिनी की बीते शुक्रवार को पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। इसके बाद से महिलाओं में भारी गुस्सा है और वो सड़कों पर उतरकर विरोध जता रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में मौत का कारण का हार्ट अटैक बताया जा रहा है। उस समय महसा पुलिस हिरासत में थीं। महसा को सिर पर ठीक से हिजाब नहीं पहनने के कारण हिरासत में लिया गया था। बीबीसी के अनुसार, घटना के समय मौजूद रहे गवाहों का कहना है कि महसा अमिनी को तेहरान से गिरफ्तार करने के बाद पुलिस थाने में ले जाया गया था। हालांकि, पुलिस ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि हिरासत के दौरान अमिनी को अचानक हार्ट अटैक आया था। दूसरी ओर महसा अमिनी के परिवार का दावा है कि महसा बिल्कुल स्वस्थ थीं। उनका आरोप है कि पुलिस हिरासत में ही कुछ ऐसा हुआ जिससे महसा की मौत हो गई।

जानिए पूरा मामला

ईरान में 22 वर्षीय महसा अमिनी को हिजाब नियमों के खिलाफ जाना इतना महंगा पड़ा कि पुलिस हिरासत में उसे जान गंवानी पड़ी। उसे कुछ माह पहले सार्वजनिक रूप से हिजाब हटाने का आग्रह करने पर सरकार की मॉरल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और लगातार प्रताड़ित किया। पुलिस हिरासत में उसकी तबीयत बिगड़ी और कोमा में जाने के बाद महसा ने जान गंवा दी।

इसी घटना के खिलाफ सैकड़ों लोगों ने शनिवार को सड़कों पर विरोध दर्ज कराया था। प्रदर्शनकारियों में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इन प्रदर्शनों की तस्वीरों और वीडियो में देखा जा सकता है कि कई महिलाएं चेहरे से हिजाब हटाकर अपना विरोध जता रही हैं। इसी तरह अमिनी के गृहनगर सक्केज में भी लोग सड़कों पर हैं और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई।

इंग्लैंड में हिंदू-मुस्लिम हिंसा,लाठी-डंडे लेकर उतरी भीड़,मंदिर पर हमला

लंदन, 19 सितम्बर 2022। इंग्लैंड के लीस्टर शहर में रविवार रात को स्थानीय मुस्लिमों और हिन्दुओं के बीच भारी झड़प हुई। दोनों पक्षों में छिड़ी हिंसा के बीच जब पुलिस ने दखल देने की कोशिश की, तब उनपर भी हमला बोला गया।

ये पूरा विवाद 28 अगस्त से चल रहा है, जब एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच मैच हुआ था, इस मैंच में भारत की जीत हुई थी। भारत की जीत और पाकिस्तान की हार से कट्टरपंथियों में काफी गुस्सा था। यही वो दिन था, जब मुस्लिमों और हिन्दुओं के बीच विरोध छिड़ गया।

विवादित पोस्टर पर भड़का रोष- एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, मुसलमानों ने शनिवार को लीस्टर शहर में एक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था। इसके लिए एक पोस्टर भी बनाया गया था।

पोस्टर में लिखा था, 'हम लेस्टा में उतरने जा रहे हैं, ताकि रास्स के इन हिंदुत्व चरमपंथियों को यह दिखाया जा सके कि हमारी मुस्लिम और सिख महिलाओं तथा बच्चों और बुजुर्गों के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे।

ताइवान पर बाइडन के बयान से भड़का चीन;यूएन में आतंकी मीर को ब्लैकलिस्ट होने से ड्रैगन ने बचाया

बीजिंग, 19 सितम्बर 2022। ताइवान पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान को लेकर चीन फिर भड़क उठा है। चीन ने सोमवार को कहा कि वह ताइवान के शांतिपूर्ण विलय के लिए पूरी ईमानदारी के साथ कोशिश करेगा और देश को विभाजित करने की किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा। चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की इस टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए प्रतिक्रिया दी कि अगर बीजिंग आक्रमण करने की कोशिश करता है तो अमेरिकी सेना ताइवान की रक्षा करेगी। सीबीएस न्यूज के 60 मिनट के कार्यक्रम पर रविवार को प्रसारित एक साक्षात्कार के दौरान बाइडन से पूछा गया कि क्या अमेरिकी सेना, अमेरिकी पुरुष और महिलाएं, चीनी आक्रमण की स्थिति में ताइवान की रक्षा करेंगे। इस पर उन्होंने तुरंत जवाब दिया कि ताइवान पर अमेरिकी नीति नहीं बदली है।

इस साल दूसरी बार बाइडन ने ताइवान के पक्ष में दिया बयान

इस साल मई के बाद से यह दूसरी बार है जब बाइडन ने ताइवान की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अमेरिका के सैन्य हस्तक्षेप के सवालों का सकारात्मक जवाब दिया है, जिससे बीजिंग की चिंता में इजाफा हो गया है। मई में जापान का दौरा करते हुए बाइडन ने कहा था कि अमेरिका जापान और अन्य देशों के साथ खड़ा होगा और चीन को ताइवान पर जबरन कब्जा नहीं करने दिया जाएगा। टोक्यो में एक संवाददाता सम्मेलन में यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका ताइवान की रक्षा के लिए सैन्य रूप से शामिल होने को तैयार है, बाइडन ने इसका जवाब हां में दिया था।

सीबीएस न्यूज के साथ बाइडन के साक्षात्कार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी नेता की टिप्पणी ने %एक चीन% नीति और ताइवान से संबंधित तीन संयुक्त विज्ञप्तियों का गंभीर उल्लंघन किया है। माओ ने कहा कि बाइडन की टिप्पणी ने ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता को गंभीर रूप से भंग कर दिया और ताइवान की स्वतंत्रता बलों को एक गलत संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि चीन इसकी निंदा करता है और इसका कड़ा विरोध करता है और हमने अमेरिका को कई बार इसके बारे में बताया है। माओ ने कहा कि ताइवान चीन का हिस्सा है और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) सरकार पूरे चीन का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र सरकार है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि के पूर्ण एकीकरण को प्राप्त करना सभी चीनी लोगों की साझा आकांक्षा और पवित्र कर्तव्य है।

आतंकी मीर को ब्लैकलिस्ट होने से चीन ने रोका

वहीं, चीन ने भारत के सबसे वांछित पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों में से एक साजिद मीर को काली सूची में डालने के संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका-भारत के प्रस्ताव को रोकने के अपने कदम का बचाव करते हुए कहा कि उसकी कार्रवाई यूएनएससी की आतंकवाद विरोधी समिति के प्रासंगिक नियमों के अनुरूप है। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादियों द्वारा किए गए 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले में उनकी भूमिका के लिए अमेरिका द्वारा मीर के सिर पर 50 लाख अमरीकी डालर का इनाम रखा गया है।

यह पता चला है कि बीजिंग ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति के तहत मीर को वैश्विक आतंकवादी के रूप में ब्लैकलिस्ट करने के लिए अमेरिका द्वारा पेश किए गए और भारत द्वारा सह-नामित किए गए प्रस्ताव पर गुरुवार को रोक लगा दी। इस प्रस्ताव में मीर की संपत्ति फ्रीज करने और उस पर यात्रा प्रतिबंध और हथियार प्रतिबंध लगाया जाना था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 समिति के पास आतंकवादी संगठनों और व्यक्तियों और संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में स्पष्ट दिशानिर्देश हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि बीजिंग ने मीर को ब्लैकलिस्ट करने के कदम को क्यों रोक दिया।

टेट परीक्षा खत्म होते ही मुख्य सड़क में घंटो लगा जाम

» फिर से उठ रही है सड़क चौड़ीकरण की मांग,सोशल मीडिया में छिड़ा मुद्दा।
» कांग्रेसी नेता एल्डरमैन मोनू मांझी ने तेज की मांग।
» व्यपारी समेत आम जन हो रहे परेशान,हर दिन लगता है जाम।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 19 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बीते रविवार को शिक्षक पात्रता परीक्षा खत्म होते ही जिला मुख्यालय के मुख्य सड़क में घंटो जाम लगा रहा, साप्ताहिक बाजार के दिन लगे जाम के बाद यातायात विभाग के कर्मियों को जाम खत्म करने काफी मशक्कत करनी पड़ी तो वहीं इससे व्यापार भी घंटो चौपट रहा। काफी देर तक अफरा-तफरा का माहौल बना रहा तो कई लोग अपने गंतव्य तक समय पर नही पहुंच सके, जिवतिया त्यौहार के कारण भीड़ कुछ ज्यादा थी तो इससे महिलाओं को भी परेशानी हुई। परीक्षार्थी वर्ग भी समय पर घर नही पहुंच सका,जिससे कि सभी वर्ग में खासा आक्रोष देखने को मिला।

रविवार को छत्तीसगढ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा को आयोजन किया गया था जिसमे शहर के लगभग सभी बड़े शैक्षणिक संस्थानों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया था,दोनों पालियों की परीक्षा में लगभग 15 हजार परीक्षार्थी शामिल हुये। यहां परीक्षा देने कोरिया समेत एमसीबी जिले के भी परीक्षार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए। दो पालियों में संपन्न हुई परीक्षा में जब दूसरे पाली की परीक्षा शाम 4.45 पर खत्म हुई तो उसके बाद मुख्यालय के ह्रदय स्थल पर सभी स्कूलों से परीक्षार्थी अपने घर की ओर जाने के लिए निकले थे लेकिन मुख्य घड़ी चौक पर परीक्षार्थियों को काफी देर तक जाम से गुजरना पड़ा। पुराने बस स्टैंड से लेकर घड़ी चौक, मानस भवन, अस्पताल रोड, महलपारा चौक से लेकर डबरीपारा तथा सांस्कृतिक भवन तक लंबा जाम होने से काफी देर तक लोगो को परेशान होना पड़ा। कई ऐसे लोग भी थे जिन्हे उपचार हेतु चिकित्सक के यहां जाना था लेकिन जाम के कारण उन्हे काफी परेषानी हुई। पुराने बस स्टैंड के पास से सांस्कृतिक भवन तक यात्री बसें व अन्य चारपहिया वाहनों की लंबी लाईन भी लगी रही तो वहीं महलपारा रोड़ में बड़ी-बड़ी ट्रकों के जाम में फंसे होने के कारण स्थिति काफी बिगड़ चुकी थी,महलपारा चौक से लेकर घड़ी चौक तक यातायात कर्मी व्यवस्था बनाने में जुटे रहे उन्हे काफी मषक्कत करते देखा गया। घंटो की मेहनत के बाद किसी प्रकार जाम हटा तब जाकर यातायात सामान्य हो सका और व्यापारी समेत अन्य जनों ने राहत की सांस ली।

तेज हुई सड़क चौड़ीकरण की मांग,प्रशासन कब लेगा संज्ञान

शहर में जब कभी भी इस प्रकार का आयोजन होता है तो स्थानीय जनों को परेषानी का सामना करना पड़ता है, लंबा जाम होने से व्यापार भी खासा प्रभावित होता है। इसे लेकर अब लोगो की नाराजगी भी देखने को मिल रही है। जाम से निजात के लिए शहर से गुजरे मुख्य सड़क का चौड़ीकरण करना ही एकमात्र विकल्प बच गया है। ऐसे मे स्थानीय युवा एक बार फिर से सड़क चौड़ीकरण की मांग तेज करते नजर आ रहे हैं। कांग्रेसी नेता और नगरपालिका परिषद के एल्डरमैन मोनू मांझी ने सोषल मीडिया में सड़क चौड़ीकरण की मांग को लेकर स्थानीय प्रषासन पर ऊंगली भी उठाई और सड़क चौड़ीकरण की मांग की ,सोषल मीडिया में चौड़ीकरण की आवाज बुलंद करते ही स्थानीय युवा समेत आमजनों ने इस पर अपनी खूब प्रतिक्रया भी व्यक्त की और पहले सड़क चौड़ीकरण में अड़ंगा डालने वाले तथाकथित लोगो के खिलाफ आक्रोष व्यक्त किया।

सड़क चौड़ीकरण में व्यापार संघ बाधित

जिला मुख्यालय में जब भी जाम की स्थिति निर्मित होती है तो सबसे पहले लोगो को सड़क चौड़ीकरण की जरूरत महषूस होती है,लेकिन यहां जब भी चौड़ीकरण की दिषा में काम प्रारंभ हुआ तो मुख्यालय में गैर पंजीकृत व्यापार संघ बाधा बनकर खड़ा हो जाता है। ऐसा व्यापार संघ जिसके पास गिनती के दो-चार सदस्य ही मौजूद हैं उसके द्वारा अधिकारियों और नेताओं के समक्ष खड़े होकर बरगला दिया जाता है। जानबूझकर ऐसे ऐसे तर्क अधिकारियों और नेताओं के सामने व्यापार संघ के लोगो द्वारा प्रस्तुत किए जाते हैं कि उससे चौड़ीकरण ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। लेकिन एक बार फिर युवाओ ने चौड़ीकरण को लेकर आवाल बुलंद किया है। एल्डरमैन मोनू मांझी ने सोषल मीडिया में आवाल बुलंद करने के बाद स्थानीय विधायक व संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव से भी मिलकर सड़क चौड़ीकरण की मांग की है। उल्लेखनीय है कि अब एमसीबी जिला बनने के बाद शहर में व्यापार जगत पर भी असर पड़ेगा, इससे इंकार नही किया जा सकता है । तो वहीं स्थानीय व्यापारियों का मानना है कि जब से जिला मुख्यालय के किनारे बाईपास का निर्माण हो गया तब से शहर के व्यापार पर खासा असर देखने को मिल रहा है। लोग अब सीधे सूरजपुर या कि मनेंद्रगढ की ओर निकल जाते हैं जिसके कारण कई लोगो का व्यापार प्रभावित हुआ है। एक तो बाईपास और ऊपर से शहर का संकरा सड़क, इसे लेकर अब स्थानीय व्यापारी काफी आक्रोशित हैं। व्यापारियों का एक वर्ग जो कि चौड़ीकरण में खुद के स्वार्थ बस अड़ंगा लगाने में माहिर है उसके प्रति बाकि अन्य व्यापारी अपना आक्रोष भी व्यक्त कर रहे हैं। इन सब के बाद अब प्रषासन की चुप्पी भी समझ से परे है लोगो का कहना है कि जिला बंटवारा के बाद यदि कोरिया जिला मुख्यालय के अस्तित्व और व्यापार को जीवित रखना है तो सभी को आगे आकर सड़क चौड़ीकरण के लिए प्रयास करना होगा। ज्ञात हो कि जिला मुख्यालय को सर्वप्रथम चौड़ीकरण की सख्त जरूरत थी लेकिन यह कहने में कतई संकोच नही है कि चौड़ीकरण के कार्य में जबरन अड़ंगा लगाकर कुछेक व्यापारियों ने शहर और यहां के निवासियों के साथ ही व्यापार पर ही ग्रहण लगा दिया। इसकी सजा अब आम नागरिक समेत व्यापारी वर्ग भी भुगत रहा है। तो वहीं शहर का प्रत्येक नागरिक चौड़ीकरण में बाधा बने लोगो के खिलाफ आक्रोशित है।

चौड़ीकरण हर आम आदमी की मांग

जिला मुख्यालय के सड़क का चौड़ीकरण आज सबसे ज्यादा जरूरत बन चुका है, मुख्यालय में आज एकमात्र सड़क है जहां से सभी यात्री बसें और बिलासपुर मार्ग से आने-जाने वाली ट्रकें चलती हैं, दिन भर सैकड़ो की तादात में वाहनों का आना जाना होता है। जिससे कि प्रमुख सड़क में जाम की स्थिति तो निर्मित होती ही है दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। शहर का हर नागरिक चाहता है कि उनका भी शहर सुंदर हो सड़के चौड़ी हों जिससे कि आवागमन में बाधा न हो। तो वहीं कुछेक स्वाथी व्यापारियों को छोड़कर लगभग 90 प्रतिशत व्यापारियों की आवाज है कि शहर से गुजरे सड़क का चौड़ीकरण नितांत आवष्यक है। व्यापारियों का कहना है कि आज उनके दुकान के सामने चारपहिया वाहन तो क्या एक बाईक भी खड़ा नही किया जा सकता। जिससे कि व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

गलत नियत और अभ्रद्र व्यवहार की शिकायत पर विभाग मौन

-राजेन्द्र कुमार शर्मा-
खड़गवां,19 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

खड़गवां परियोजना कार्यालय महिला बाल विकास हमेशा किसी ना किसी प्रकरण को लेकर सुखियों मे रहते आ रहा है यहां पर पदस्थ लिपिक के विरूद्ध आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने गलत नियत और अभ्रद्र व्यवहार करने कि लिखित शिकायत कलेक्टर कोरिया एवं परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास विभाग से की थी जिस शिकायत को किए लगभग सात माह हो गए विभाग ने आज तक इस शिकायत की जाच नहीं की या जाच करने कि कोशिश नहीं कि
आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने अपने लिखित शिकायत में लिपिक पर आरोप लगाया था कि परियोजना कार्यालय में जाने से लिपिक के द्वारा मुझ पर ग़लत नियत एवं अभ्रद्र व्यवहार किया गया है और पूर्व से करता आ रहा है कार्यलय में विभागीय कार्य के लिए आना जाना लगा रहता है और लिपिक के द्वारा हमेशा गलत नियत रखता है जिससे कार्यलय जाने में मुझे डर बना रहता है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने घटना की शिकायत प्रभारी परियोजना अधिकारी खड़गवां से दिनांक

9/3/2022 को किया गया था जिसकी पावती भी अधिकारी के द्वारा आगनबाड़ी कार्य कर्ता को नहीं दिया गया पावती देने में टालमटोल किया गया था
इस लिपिक की ग़लत नियत और अभद्र व्यवहार से परेशान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने प्रथम शिकायत परियोजना अधिकारी से की थी जिस पर किसी प्रकार कि कोई कार्यवाही नहीं होने पर शिकायत रजिस्ट्रेड डाक से कलेक्टर कोरिया से किया गया था।
इस आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की शिकायत की जांच विगत सात माह हो गए किसी प्रकार की कोई जांच नहीं किया गया और जिस लिपिक पर शिकायत हुई है आज तक विभागीय जांच नहीं होने से लिपिक के हौसले काफी बुलंद हैं।

शिकायत को परियोजना एवं जिला कार्यालय में दबा दिया गया है क्या यह न्याय संगत है?

संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग छत्तीसगढ़ इंद्रावती भवन ब्लाक-1 द्वितीय तल नया रायपुर आदेश क्रमांक/4056/सथा./मबावि/2022--23 दिनांक 20/7/2022 के द्वारा लिपिक को सहायक ग्रेड 3 संवर्ग के पद से पदोन्नत करते हुए सहायक ग्रेड 2 के पद पर पदस्थापना आदेश के तहत पुनः महिला बाल विकास परियोजना खड़गवां में ही पदस्थ किया गया है
जबकि आदेश क्रमांक/4056/2022--23/दिनांक 20/7/2022की कंडिका 5 मे साफ उल्लेख है कि यह पदोन्नति आदेश इस शर्तें पर जारी किया जा रहा है कि यदि पदोन्नत शासकीय सेवक के विरूद्ध कोई विभागीय जाच/प्रकरण लबित नहीं है यदि पदोन्नति आदेश सूची में अंकित किसी शासकीय कर्मचारी के विरुद्ध उपरोक्तानुसार प्रकरण चल रहा है तो संबंधित शासकीय सेवक के लिए यह पदोन्नति आदेश शून्य माना जाएगा।
जबकि इस लिपिक पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की गंभीर शिकायत की जांच किए बिना लिपिक को इस गंभीर शिकायत के बाद भी उसे उसी महिला बाल विकास खड़गवां परियोजना में पुनः सहायक ग्रेड 2 के पद पर पदस्थ कर दिया गया है। जो गंभीर और जांच करने किए जाने योग है ? या फिर विभाग किसी अनहोनी का होने का इंतजार कर रहा है जबकि महिला बाल विकास विभाग की घटना है जो काफी संवेदनशील विभाग होने के बाद भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की शिकायत की जांच का ना होना विभाग पर कई सवालिया निशान खड़े कर रहा है?
क्या महिला बाल विकास विभाग कोरिया एवं महिला बाल विकास परियोजना खड़गवां इस शिकायत की जांच कर उस लिपिक पर कार्रवाई कर उस शिकायतकर्ता को न्याय दिलाएगा ?
इस सबंध मे परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास से जानकारी के लिए उनके मोबाइल से संपर्क किया गयासंपर्क नहीं होने से व्हाट्सएप के माध्यम से भी जानकारी चाही तो उन्होंने ने किसी प्रकार का कोई जवाब नहीं दिया गया।

बारिश से बचने दुकान में खड़े लोगों पर गिरी गाज,दो युवकों की गई जान

-सोनू कश्यप-
प्रतापपुर 19 सितंबर 2022(घटती-घटना)।।

प्रतापपुर के ग्राम खजुरी में सोमवार की शाम बारिश से बचने के लिए दुकान में खड़े लोगों पर आकाशीय बिजली गिर गई। चपेट में आने से दो युवकों की मौत मौके पर ही हों गई। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम करकेपा यादवपारा निवासी संजय यादव पिता सियाराम यादव व तोनी सरईपारा निवासी नंदलाल पैंकरा पिता रामगहन पैंकरा सोमवार को बाइक से प्रतापपुर से वापस लोट रहे थे। शाम करीब 7 बजे गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने के कारण दोनों ग्राम खजुरी में पेड़ के नीचे स्थित दुकान में रूक गए। बारिश से बचने के लिए अन्य तीन लोग भी थे। इसी दौरान तेज गरज-चमक के साथ दुकान पर आकाशीय बिजली गिर गई। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से लोहे नंदलाल पैंकरा व संजय यादव की मौके पर ही मौत हो गई।

छत्तीसगढ़ वॉइस स्टार के ऑडिशन राउंड में प्रतिभागियों की लगी होड़,एक से बढ़कर एक आवाज मिली भिलाई को

-संवाददाता-
रायपुर/बैकुण्ठपुर 19 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ वॉइस स्टार 2022 की टीम रायपुर, कोरबा के ऑडिशन राउंड के बाद भिलाई पहुची। जहाँ ऑडिशन राउंड में प्रतिभागियों की लंबी होड़ मिली, साथ ही एक से बढ़कर एक जबरदस्त आवाज भी भिलाई में सुनने को मिली। अगला ऑडिशन राउंड छत्तीसगढ़ के न्यायधानी बिलासपुर के इंडियन मेडिकल एशोसिएशन सीएमडी चौक में आगामी 2 अक्तूबर को होगा।
आपको बता दे कि छत्तीसगढ़ वॉइस स्टार एक बड़ा मंच हैं जहाँ छत्तीसगढ़ के कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने व निखारने में बड़ा मदद करेगा। जिसके लिए छत्तीसगढ़ के तमाम बड़े शहरों में ऑडिशन राउंड की शुरुआत हो चुकी है। पिछले 3 सितम्बर को राजधानी रायपुर के कृष्णा पब्लिक स्कूल सरोना में पहला ऑडिशन राउंड सम्पन्न हुआ। इसके बाद 10 और 11 सितम्बर को कोरबा के केसीसी कॉलेज घण्टाघर में दूसरा ऑडिशन और तीसरा ऑडिशन भिलाई के जवाहर नगर स्थित के एच मेमोरियल स्कूल में सम्पन्न हुआ हैं। अब अगला ऑडिशन राउंड छत्तीसगढ़ के न्यायधानी बिलासपुर के इंडियन

मेडिकल एशोसिएशन सीएमडी चौक में आगामी 2 अक्तूबर को होना है। जो भी प्रतिभागी छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े सिगिंग प्रतियोगिता कार्यक्रम में शामिल होकर अपने हुनर को आजमाना चाहते हैं वो अपना रजिस्ट्रेशन ऑर्बिट मीडिया ग्रुप डॉट इन मे जाकर रजिस्ट्रेशन कर अपना ऑडिशन दे सकते हैं। अगर आप छत्तीसगढ़ वाईस स्टार के बारे में नहीं जानते तो हम आपको बता दे की छत्तीसगढ़ वाईस स्टार एक टैलेंट हण्ट शो है जो नए गायकों को प्रोत्साहन देता है। इस रियलिटी शो में विभिन्न गायक आएंगे और एक दूसरे से कॉम्पीट करेंगे, उनके परफॉर्मेंस के अनुसार उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान होगा और जो गायक अंत तक टिकेगा वह इस प्रतियोगिता का विनर बनेगा।
वर्तमान में हमारे पास काफी सारे ऐसे प्लेटफार्म हैं जिनके द्वारा हम अपनी कला को आसानी से दुनिया के सामने ला सकते हैं लेकिन यह सुनने में जितना आसान लगता है उतना आसान होता नहीं है। अगर आप यूट्यूब या किसी अन्य इंटरनेट आधारित प्लेटफार्म पर अपना वीडियो अपलोड करते हो तो जरूरी नहीं है कि आपकी वीडियो वायरल हो जाए और आपका टैलेंट लोगों के सामने आ सके। लेकिन छत्तीसगढ़ वाईस स्टार जैसे टैलेंट शो को लाखो करोड़ो लोग देखेंगे, ऐसे में अगर आप इनमे आने में सफल हो जाते हो तो आपको प्रदेश में काफी लोकप्रियता मिलेगी।

यात्री ट्रेनों के संचालन के लिए व्यापारियों ने मुख्य रेल प्रबंधक के नाम रेलवे स्टेशन मास्टर मनेंद्रगढ़ को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर/मनेंद्रगढ़ 19 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

क्षेत्र में यात्री ट्रेनों के संचालन के लिए स्थानीय व्यापारियों ने मुख्य रेल प्रबंधक के नाम एक ज्ञापन रेलवे स्टेशन मास्टर मनेंद्रगढ़ को सौंपा। ज्ञापन में ट्रेनों का परिचालन शुरू न किये जाने से हो रही समस्याओं से अवगत कराते हुए पूर्व की तरह ट्रेनों का संचालन के जाने का अनुरोध किया गया है।
मुख्य मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर के नाम सौंपे ज्ञापन में उल्लेखित किया गया है कि बीते 3 वर्षों में लॉकडाउन ,व कोविड महामारी के दौरान केंद्र द्वारा जो आदेश पारित हुए थे उससे कई ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया गया था। मुख्य रूप से चिरमिरी रीवा फास्ट पैसेंजर, चिरमिरी अनूपपुर ट्रेन अभी तक प्रारंभ नहीं हो पाई है। इसके अलावा जो चिरमिरी से अनूपपुर ट्रेन चालू की गई है उसका स्टॉपेज मनेंद्रगढ़ जिला मुख्यालय में नहीं किया गया है, इससे रेल प्रबंधन व केंद्र की उदासीनता साफ समझी आ सकती है ।जिला मुख्यालय के साथ ही साथ आसपास के 60 ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का व्यापार मनेंद्रगढ़ से जुड़ा हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले गरीब किसान मजदूर एवं आम नागरिक ट्रेन के माध्यम से आकर अपना काम किया करते हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए, शिक्षा के लिए यहां रोजाना सैकड़ों लोगों का आवागमन बना रहता है। मनेंद्रगढ़ फुटकर व थोक व्यापारियों की बड़ी मंडी है, लेकिन बीते दो-तीन वर्षों से ट्रेनों का परिचालन बंद होने के बाद जहां आम नागरिक परेशान हैं वहीं क्षेत्र का व्यापार व्यवसाय भी प्रभावित हुआ है ।हालांकि इन 3 वर्षों के दौरान व्यापारियों ने किसी तरह अपने कारोबार का संचालन किया, लेकिन अब धीरे-धीरे व्यापारियों की आर्थिक स्थिति खराब होते जा रही है। वहीं जो ग्रामीण पहले कम पैसे में ट्रेन से मनेंद्रगढ़ के साथ ही साथ न्यायधानी बिलासपुर व राजधानी रायपुर ,रीवा इत्यादि की यात्रा कर लिया करते थे उन्हें मजबूरी में काफी पैसा खर्च कर बसों में यात्रा करना पड़ता है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति भी खराब हो रही है ।ऐसे में जरूरी है अब इस विषय में गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए चिरमिरी से रवाना होने वाली यात्री ट्रेनों का परिचालन पूर्व की भात किया जाए और चिरमिरी अनूपपुर स्पेशल ट्रेन का स्टॉपेज मनेंद्रगढ़ में दिया जाए जिससे आम जनता को राहत महसूस हो सके। इस अवसर पर संजय अग्रवाल हिंदुस्तानी, सोहन पोद्दार, भागवत प्रसाद केसरवानी, गुलाबचंद केसरी ,नितिन कुमार अग्रवाल ,कमलेश कुमार अग्रवाल, सतीश इलाहाबादी, प्रमोद बंसल, संतोष कुमार जैन, अतुल अग्रवाल, अजय नाकरा, मोहन छत्तानी, रमेश भोजवानी, रवि कुमार जैन, जयंती लाल यादव, विनोद कश्यप समेत क्षेत्र के 100 से अधिक व्यापारियों ने हस्ताक्षरित पत्र देकर त्वरित कार्यवाही का अनुरोध किया है।

26 सितंबर तक होगी आई.टी.आई की परीक्षा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर 19 सितंबर 2022 (घटती-घटना)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अम्बिकापुर में एससीव्हीटी पाठ्यक्रम के अंतर्गत राज्य व्यावसायिक परीक्षा आयोजित की जा रही है। यह परीक्षा 19 से 26 सितंबर के मध्य होगी। ज्ञातव्य है कि आईटीआई में प्रवेश लेने वाले प्रशिक्षार्थियों के लिए यह अवसर दिया जा रहा है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-अम्बिकापुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- /अ-20(3)/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा आ0 अमरीक सिंह छाबड़ा, निवासी-महामाया रोड,नगर अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0 ने आवेदन पत्र प्रस्तुत कर कथन किया है कि उनके स्वामित्व व हक की मोहल्ला-सदर रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1011/11 रकबा 1052.28 वर्गफीट भूमि अभिलेख में दर्ज है। आवेदक सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा आ0 अमरीक सिंह छाबड़ा, निवासी-महामाया रोड,नगर अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा उक्त आवेदित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1011/11 रकबा 1052.28 वर्गफीट भूमि को निजी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु रूपयो की आवश्यकता होने के कारण बैंक में बंधक रखने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने बाबत् आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है। आवेदन पत्र के समर्थन में मेन्टेनेश खसरा, शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07/10/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 19/09/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कौशल दीक्षांत समारोह मे पुलिस अधीक्षक ने कहा, हुनरमंदों को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता

-संवाददाता-
कोरबा 19 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जो लोग अपने आप को हुनरमंद बनाने के लिए आगे बढ़ते हैं, उनको कोई रोक नहीं सकता। सोचने वाले सोचते रह जाते हैं और मेहनत करने वाले आगे निकल जाते हैं। आप ऊंचे सपने देखें और परिस्थितियों से जूझते हुए पूरी इच्छाशक्ति के साथ मेहनत करें तो सफलता मिलना तय है। उक्ताशय के उद्गार पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने व्यक्त किए। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जन शिक्षण संस्थान के द्वारा शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि श्री सिंह ने कहा कि जीवन में सीखने के लिए हर समय लालायित रहना चाहिए। शिक्षा में बड़ी ताकत होती है। डॉ. अंबेडकर ने कहा है कि जो शिक्षा रूपी शेरनी

का दूध पियेगा वही आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा कष्ट, चुनौतियां व परेशानी हमें ही है, ऐसा लगना महत्वपूर्ण नहीं बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि आप अपने आप को आगे बढ़ने के लिए किस तरह तैयार करते हैं आप में कितनी इच्छा शक्ति है। संसाधनों के अभाव से जूझकर भी हजारों लोग आगे बढ़े हैं। भारत की पहली दिव्यांग महिला पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा का उदाहरण देते हुए एसपी श्री सिंह ने कहा कि हमें परिस्थितियों को दोष देने की बजाय स्वयं से प्रोत्साहित होकर मेहनत करना चाहिए। श्री सिंह ने जेएसएस के प्रशिक्षणार्थियों को कौशल की डिग्री मिलने की शुभकामनाएं देते हुए जेएसएस के डायरेक्टर और पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि स्कील्ड का रास्ता दिखाने से बड़ी दूसरी कोई समाज सेवा नहीं हो सकता। यहां से निकलकर प्रशिक्षार्थी अपने हुनर का भरपूर लाभ उठाएं।

CMYK

क्या टीम इंडिया के लिए लकी साबित होगी नई जर्सी ?

आखिर क्या है जर्सी पर लगे तीन स्टार का राज

नई दिल्ली,19 सितंबर 2022। टी-20 विश्व कप की शुरुआत का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 16 अक्टूबर से होने जा रही है। वहीं, वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा एंड कंपनी अपना पहला मुकाबला चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी।

एक तरफ विश्व कप से पहले भारतीय टीम तेजी से तैयारियों में लगी है, वहीं, दूसरी तरफ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के लिए एक नई जर्सी का अनावरण किया है। अब देखना होगा क्या ये नई जर्सी टीम के लिए लकी साबित होती है या नहीं।

बीसीसीआई ने किया ट्वीट

बीसीसीआई ने ट्विटर पर इस जर्सी के बारे में बताया है। बता दें, पहले टीम की जर्सी नेवी ब्लू थी लेकिन अब स्काई ब्लू कलर में जर्सी को रखा गया है। नए कलर के साथ इस जर्सी में कंधे पर डार्क ब्लू कलर को मिक्स किया गया है। इसके अलावा इसमें तीन स्टार भी दिए गए हैं। कई लोगों के मन में सवाल होगा कि स्टार का मतलब क्या है? बता दें, टीम इंडिया अभी तक तीन बार टी-20 विश्व कप में विजेता रह चुकी है जो स्टार के जरिए बताया गया है। भारतीय टीम 20 सितम्बर से शुरु होने वाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में भी नई जर्सी के साथ मैदान में उतरेगी।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ एरोन फिंच का नया अवतार

नई दिल्ली,19 सितंबर 2022। ऑस्ट्रेलियाई टीम के दिग्गज सलामी बल्लेबाज और टी20 टीम के कप्तान एरोन फिंच को आपने हमेशा राइट हैंड से बल्लेबाजी करते देखा होगा, लेकिन अब वक्त बदलने वाला है। दरअसल, सोशल मीडिया पर फिंच की कुछ तस्वीरें लगातार वायरल हो रही हैं, जिसमें उन्हे राइट की जगह लैफ्ट हैंड से बल्लेबाजी करते देखा जा सकता है। मौजूदा समय में कंगारू टीम भारत के दौरे पर है, जहां मंगलवार से 3 मैचों की टी20 मैचों की सीरीज का आगाज होने वाला है।

लैफ्ट हैंडर फिंच

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टी20 मैच मंगलवार को मोहाली के पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच से पहले दोनों टीमें नेट्स पर जमकर पसीना बहा रही है। सोमवार को ट्विटर पर कुछ फोटोज वायरल हुईं, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एरोन फिंच को बाएं हाथ से काफी समय तक बैटिंग का अभ्यास करते देखा गया। हैरान करने वाली बात ये रही कि लैफ्ट हैंड से बैटिंग करते हुए एक बार भी वह परेशानी या किसी भी दिक्कत में नहीं दिखे फिंच खुलकर शॉट्स लगा रहे थे और उनको देखकर यह बिल्कुल भी नहीं कहा जा सकता था कि वो पेशे से लैफ्ट नहीं बल्कि राइट हैंड से खेलते हैं।

धोनी-विराट को लेकर गौतम गंभीर के बयान ने उड़ा दिए होश!

ड्रेसिंग रूम में स्टार या हीरो पैदा न करें

नई दिल्ली,19 सितंबर 2022। टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी गौतम गंभीर अपनी सटीक बात बोलने से पीछे नहीं हटते हैं। वहीं, एक बार फिर गंभीर ने ऐसे खिलाड़ियों के बारे में टिप्पणी कर दी है जिनका भारत में बोलबाला है। दरअसल, गौतम गंभीर ने अपने एक बयान में साफ किया है कि लोग किसी एक क्रिकेटर की पूजा करना बंद करें। बल्कि सभी को क्रिकेट टीम को सपोर्ट करना चाहिए। उन्होने बताया कि हमें ऐसे खिलाड़ी पर भी फोकस करना चाहिए जिसने थोड़ा ही सही लेकिन टीम में अपना योगदान दिया हो।

पूर्व दिग्गज ने इंडियन एक्सप्रेस के आइडिया एक्सचेंज प्रोग्राम में कहा, ड्रेसिंग रूम में स्टार या हीरो पैदा करना बंद करना चाहिए बल्कि क्रिकेट को ही असली हीरो होना चाहिए कोई व्यक्ति नहीं। हमें किसी एक खिलाड़ी को बड़ा बनाने के बजाए पूरी टीम को बड़ा बनाने पर फोकस करना चाहिए।

भुवी की तरफ नहीं दिया गया ध्यान, विराट की बात हुई-गौतम गंभीर

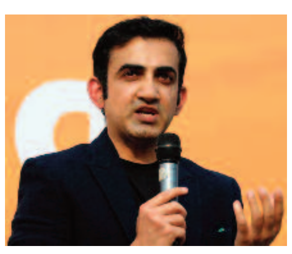

गंभीर ने एशिया कप का जिक्र करते हुए कहा, जिस दिन विराट कोहली ने 71वां शतक लगाया था, उसी मैच में एक छोटे से शहर मेरठ के भुवनेश्वर कुमार ने भी 5 विकेट हासिल किए थे। लेकिन, किसी ने भी उनके बारे में चर्चा नहीं चलाई। यह सच में दुर्भाग्यपूर्ण है। उस समय मैं इकलौता शख्स था, जिसने कमेंट्री के दौरान लगातार भुवी को लेकर बात की। भुवनेश्वर ने उस मैच में 4 ओवर में 5 विकेट हासिल किए थे। मुझे नहीं लगता कि इसके बारे में कोई और जानता होगा।

उन्होने विराट के शतक को लेकर कहा, विराट कोहली ने शतक लगाया तो पूरा देश जश्न मना रहा था। भारत को इस हीरो संस्कृति से बाहर निकलना होगा। हमें सिर्फ भारतीय क्रिकेट की पूजा करनी होगी।

सोशल मीडिया से पनपी हीरो संस्कृति

गंभीर ने कहा, भारतीय क्रिकेट में हीरो संस्कृति मीडिया और सोशल मीडिया फॉलोअर्स से पनपी। यह इस देश में सबसे नकली चीज है, क्योंकि आपके कितने फॉलोअर्स हैं, इससे आपका अंदाजा लगाया जा सकता है।

उन्होने आगे कहा, यदि रोजाना एक आदमी की बातें करते रहेंगे तो एक दिन वो खुद ही एक ब्रांड बन ही जाएगा। ऐसा 1983 में हुआ था। जब भारत ने पहला वर्ल्ड कप जीता था। जीत के बाद से ही लगातार कपिल देव की बातें होती थी। इसके बाद हमने 2007 और 2011 में वर्ल्ड कप जीता, तो फिर धोनी की बातें होने लगी। यह सब किसने शुरू किया? किसी खिलाड़ी या बीसीसीआई ने तो ऐसा नहीं किया है। कभी किसी न्यूज चैनल ने भारतीय क्रिकेट के बारे में बात नहीं की है। दो या तीन लोग हैं, जो भारतीय क्रिकेट के स्टेकहोल्डर्स हैं। भारतीय़ क्रिकेट किसी एक खिलाड़ी से नहीं चलता बल्कि इसमें सभी 15 खिलाड़ियों का योगदान होता है।

मिशेल जॉनसन के होटल के कमरे में निकला सांप

नई दिल्ली,19 सितंबर 2022। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मिशेल जॉनसन ने सोमवार को कोलकाता में अपने होटल के कमरे से एक सांप की तस्वीर शेयर की। लेजेंड्स लीग क्रिकेट खेलने के लिए भारत में मौजूद इस पूर्व तेज गेंदबाज ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए पूछा कि यह किस प्रकार का सांप है? यह मेरे होटल के कमरे के दरवाजे पर लटका हुआ था। दरअसल जॉनसन के होटल के कमरे में एक सांप निकला, उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से फैंस को इस बात की जानकारी दी। इस घटना के बाद इंस्टाग्राम पर फैंस उनकी तस्वीर पर कमेंट कर चिंता जाहिर कर रहे हैं।

रुबेल हुसैन ने टेस्ट क्रिकेट से लिया सन्यास

ढाका ,19 सितंबर 2022। बंगलादेश के तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा की। हुसैन ने सोशल मीडिया का रुख करते हुए कहा कि वह युवाओं को अधिक अवसर देने की आवश्यकता महसूस करते हैं, इसलिए उन्होंने खेल के सबसे लंबे प्रारूप से संन्यास लेने का निर्णय लिया। हुसैन ने फेसबुक अकाउंट पर लिखा, अस्सलाम अलैकुम। मैं आपसे कुछ बात साझा करना चाहता था। मैंने आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को एक पत्र सौंपा है और टेस्ट क्रिकेट से सन्यास लेने का फैसला किया है।÷ उन्होंने कहा, ÷क्रिकेट का लंबा प्रारूप राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने में एक बड़ी भूमिका निभाता है। मुझे लगता है कि अगर युवा तेज गेंदबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं तो हमारी टीम और मजबूत होगी। टेस्ट में युवाओं को अधिक अवसर प्रदान करने के लिए मैंने टेस्ट क्रिकेट से सन्यास लेने का फैसला किया है।÷ हुसैन ने 2009 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और 13 साल के लम्बे समय में उन्होंने बंगलादेश के लिए 27 टेस्ट खेले। उन्होंने पिछले दो वर्षों में कोई टेस्ट मैच नहीं खेला था, जबकि आखिरी बार वह फरवरी 2020 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट में नजर आये थे। हुसैन ने टेस्ट करियर में 5 विकेट चटककार 166 रन देकर सर्वश्रेष्ठ कारनामा किया था। टेस्ट क्रिकेट में अपने करियर के दौरान उन्होंने 36 विकेट झटके और महज एक बार पांच विकेट लेने में सफल हुए। उन्होंने कहा, ÷मैं बंगलादेश के लिए 27 टेस्ट खेलने में सक्षम रहा, जो मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। जिन लोगों ने लाल गेंद क्रिकेट के साथ मेरी यात्रा के दौरान मेरी मदद की है, मैं उन सभी का आभारी हूं और मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में भी मुझे आपका साथ मिलेगा। मैंने भले ही टेस्ट क्रिकेट से सन्यास ले लिया हो, लेकिन मेरा मानना है कि बंगलादेश के लिए एकदिवसीय और टी20 प्रारूप में मुझे अभी भी बहुत योगदान देना है।÷ हुसैन ने कहा कि वह अन्य सफेद गेंद प्रतियोगिताओं के साथ ढाका प्रीमियर लीग (डीपीएल) और बंगलादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में खेलना जारी रखेंगे।

सेंट लूसिया की तीसरी जीत से बारबाडोस रॉयल्स ने सीपीएल के प्ले-ऑफ में की जगह पक्की की

पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद) ,19 सितंबर 2022। बारबाडोस रॉयल्स ने गुयाना अमेज़ॅन वारियर्स के खिलाफ 26 रन की जीत के साथ 2022 हीरो कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली। मैच को 16 ओवर का कर दिया गया था। दूसरे मैच में, सेंट लूसिया किंग्स ने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स को एक रन से हराकर प्ले-ऑफ के लिए अंतिम चार प्लेसमेंट की अपनी संभावना को मजबूत किया।

अब तक, बारबाडोस के आठ मैचों में 14 अंक हैं, जबकि सेंट लूसिया और जमैका तल्लावाहों के आठ-आठ अंक हैं, हालांकि सेंट लूसिया नेट रन रेट (एनआरआर) के मामले में बेहतर हैं और ट्रिनबागो नाइट राइडर्स सात अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स छह अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। गुयाना अमेजन वारियर्स तीन अंकों के साथ सबसे नीचे है।

अमेज़न वॉरियर्स ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया और यह एक अच्छा फैसला साबित हुआ। नियमित अंतराल पर विकेट लेते हुए, अमेज़ॅन वारियर्स ने रॉयल्स के लिए परिस्थितियों पर बातचीत करना मुश्किल बना दिया और जेसन होल्डर और मुजीब उर रहमान की केवल एक देर से ऑर्डर रैली ने रॉयल्स को 107/6 के उचित कुल के साथ समाप्त कर दिया।

हालाँकि, यह कुल पर्याप्त से अधिक साबित हुआ क्योंकि मुजीब और रहकीम कॉर्नवाल के नेतृत्व में रॉयल्स का गेंदबाजी आक्रमण उत्कृष्ट और कड़ा था, उन्होंने सुनिश्चित किया कि रॉयल्स की जीत के लिए रन रेट अस्थिर हो गया।

निचले और धीमे ट्रैक पर, गुयाना अमेज़ॅन वॉरियर्स के स्पिनरों ने बारबाडोस रॉयल्स की पारी में गिरने के लिए सभी छह विकेट लेते हुए खेल पर खुद को थोप दिया। बारिश में देरी होने पर रॉयल्स को 62/5 पर कम करने के बाद, इमरान ताहिर ने फिर से शुरू होने के तुरंत बाद डेविड मिलर को हटा दिया, लेकिन जेसन होल्डर और मुजीब उर रहमान ने रॉयल्स को बचाव के लिए कुल मिलाकर 16 गेंदों पर 39 रन की साझेदारी की।

अगले साल की शुरुआत में रिलीज हो सकती है गदर 2,सनी देओल ने दिया संकेत

अभिनेता सनी देओल अपनी सस्पेंस थ्रिलर फिल्म चुप को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म 23 सितंबर को बड़े पर्दे पर आएगी। इसमें उनके साथ साउथ अभिनेता दुलकर सलमान भी दिखाई देंगे। फिलहाल सनी इस फिल्म के प्रमोशन में जुटे हैं। इसी बीच उन्होंने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म गदर 2 की रिलीज को लेकर अहम जानकारी शेयर की है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म अगले साल की शुरुआत में रिलीज हो सकती है।

सनी ने गदर 2 की रिलीज से जुड़ी जानकारी दी है। उन्हें इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, मैं फिल्म को लेकर काफी आश्वस्त हूं। मैं जिनसे भी मिलता हूं, वे कुछ ना कुछ देखना चाहते हैं और हम उन्हें वही चीजें गदर 2 में दे रहे हैं। हम अक्टूबर में फिर से शूटिंग शुरू करने वाले हैं और दिसंबर तक इसे पूरा करेंगे। फिल्म 2023 की शुरुआत में रिलीज होगी।

एक रिपोर्ट में बताया गया था कि गदर 2 में अपनी प्रेमिका को वापस लाने के लिए नहीं, बल्कि अपने बेटे उत्कर्ष के लिए सनी पाकिस्तान कूच करेंगे। उत्कर्ष ने ऑरिजनल फिल्म में सनी के बेटे चरणजीत सिंह का किरदार निभाया था। गदर में सनी तारा सिंह नामक शख्स के किरदार में दिखे थे, जबकि अमीषा पटेल सकीना की भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म का निर्देशन फिर से अनिल शर्मा कर रहे हैं।

सनी ने पिछले साल 15 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर सोशल मीडिया पर गदर 2 का मोशन पोस्टर रिलीज किया था। इस मोशन पोस्टर को शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। पोस्टर के साथ उन्होंने लिखा था, दो दशक के बाद आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। दशहरे के शुभ अवसर पर आपके सामने पेश कर रहा हूं गदर 2 का मोशन पोस्टर। कथा जारी है..। उम्मीद है कि पहले भाग की तरह दूसरे भाग में भी जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा।

गदरः एक प्रेम कथा एक पीरियड एक्शन ड्रामा है, जिसका निर्देशन अनिल ने किया था। फिल्म में सनी और अमीषा के अलावा अमरीश पुरी दिखे थे। यह फिल्म 1947 में हुए भारत विभाजन की कहानी पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक मुस्लिम लड़की और एक पंजाबी लड़के का प्यार सरहदों से परे जाकर अपनी मंजिल चुनता है। फिल्म में अमीषा मुस्लिम लड़की की भूमिका में थीं, जबकि सनी सरदार के किरदार में दिखे थे।

गदर 2 विवादों में भी घिर चुकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग हिमाचल प्रदेश के पालमपुर स्थित भलेड़ गांव में 10 दिनों तक हुई। जिस घर में फिल्म को शूट किया गया, उसके मालिक ने निर्माताओं पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे।

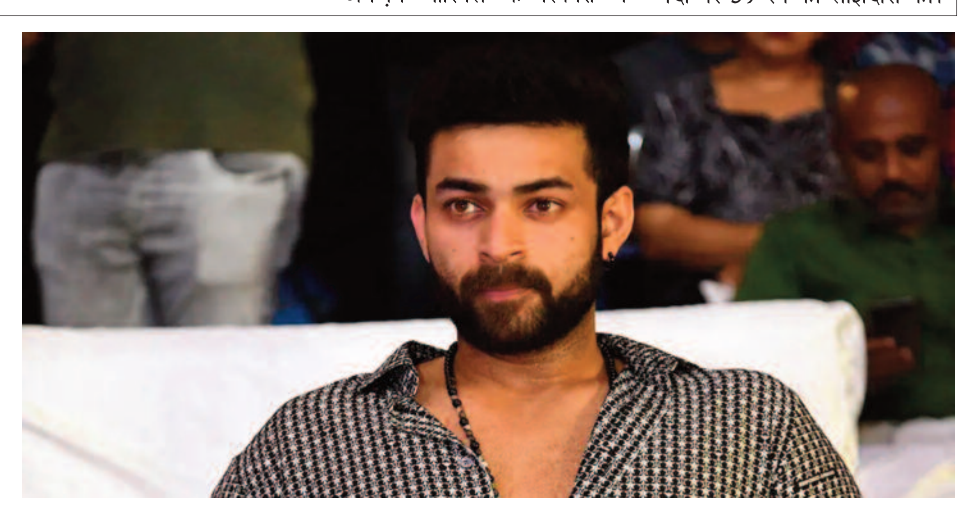

वरुण तेज की अगली फिल्म युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है

तेलुगु उद्योग में अपना नाम बना चुके तेलुगू अभिनेता वरुण तेज ने अब संकेत दिया है कि उनकी अगली फिल्म किस बारे में हो सकती है। अभिनेता ने अधिक विवरण का खुलासा किए बिना अपनी नई फिल्म के बारे में एक छोटा सा वीडियो जारी किया है। वरुण तेज के 13वें स्नीक पीक वीडियो में अभिनेता को उत्सुकता से एक स्क्रिप्ट पढ़ते हुए दिखाया गया है। पृष्ठभूमि में बहादुरी के बारे में उद्धरण उस चरित्र की वीरता का संकेत देता है जिसे वरुण को फिल्म में निभाना है। अंत में वरुण तेज के चेहरे पर एक सुखद मुस्कान है, जो स्क्रिप्ट के साथ उनकी संतुष्टि का संकेत देती है। वह अंत में एक खिलौना विमान रखता है जो एक लड़ाकू विमान जैसा दिखता है, यहां तक कि एक विमान के उड़ान भरने की आवाज भी सुनाई देती है। जैसा कि वीडियो से पता चलता है, कहानी एक युद्ध पृष्ठभूमि में सेट है और सच्ची घटनाओं पर आधारित है। जिस अनोखे तरीके से परियोजना की घोषणा की गई है, उसने उत्सुकता पैदा कर दी है। क्लिप इस तथ्य को बताता है कि परियोजना के बारे में एक घोषणा 19 सितंबर को की जाएगी।

मैं चाहती हूं की थोर इस कौर पे भी थोड़ा ध्यान देः शहनाज गिल

अभिनेत्री और बिग बॉस 13 की पूर्व सनसनी शहनाज गिल चाहती हैं कि नॉर्स देवता थोर उन पर थोड़ा ध्यान दें।

अपने वर्कआउट को आगे बढ़ाते हुए, गिल, एक वीडियो में, नताली पोर्टमैन की तरह दिखने के लिए कसरत के नियमों की नई शैलियों की कोशिश करते हुए दिखाई दे रही है, जो फिल्म थॉरः लव एंड थंडर में थोर की प्रेम रुचि जेन फोस्टर की भूमिका निभाती है।

गिल ने कहा, मैं चाहती हूं की थोर इस कौर पे भी थोड़ा ध्यान दे! तो मैं भी नताली पोर्टमैन जैसे कोई वर्कआउट-शर्कआउट कर ही लेती हूं (मैं चाहती हूं कि थोर इस कौर पर थोड़ा ध्यान दें। इसलिए, मैं नताली पोर्टमैन की तरह काम करना शुरू कर दूंगी)।

यह स्वीकार करते हुए कि फिल्म रोमांस, कॉमेडी और एक्शन के साथ एक चौतरफा मनोरंजन है, शहनाज ने कहा, थोर सुपरहीरो ही नहीं, वो थंडर का भगवान भी है! बाय गॉड! शहनाज ने यह भी कहा कि थोर उनसे ज्यादा मजेदार है। गिल ने कहा, और उसकी कॉमेडी उफ्फ! मेरे से भी ज्यादा मजेदार है बंदा। हसा हसा के ने उन्होंने पेट दुखा दिया है।

यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 8 सितंबर को रिलीज हुई थी।

इसे तायका वेट्टी द्वारा निर्देशित किया गया है, जिसकी पटकथा वेट्टी और जेनिफर कायटिन रॉबिन्सन ने बनाई है।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

लड़कियों ने की ऑटो चालक की पिटाई

रायपुर, 19 सितंबर 2022। माना एयरपोर्ट में 4-5 लड़कियों ने ऑटो चालक से गाली-गलौज कर मारपीट करते हुए ज्वलनशील पदार्थ चेहरे पर डाल दिया। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने आरोपी लड़कियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी दिनेश गुप्ता पेशे से ऑटो चालक है और रतन होटल के पास माना का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपना बकाया वेतन लेने गया था, जहां लड़कियों से संचालक का नंबर मांगने पर आरोपी लड़की सोनम, प्रीति व अन्य ने प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट करते हुए उसके चेहरे व आंख पर ज्वलनशील पदार्थ डाल दिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने आरोपी लड़कियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

छत्तीसगढ़ में नए अनुविभाग व नई तहसीलों का गठन!

रायपुर, 19 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ राजस्व व आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 11 नए अनुविभाग यानि ब्लॉक व 25 नई तहसीलों का गठन किया है। तहसीलों की अधिसूचना का प्रकाशन राजपत्र में किया गया है।

19 जिलों में 25 तहसीलें व 8 जिलों में 11 अनुविभाग बनाये गए हैं, जिनके शुभारंभ की तैयारियां करने के निर्देश राजस्व व आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव नीलम नामदेव एक्का द्वारा जारी किया गया है।

अज्ञात वाहन के ठोकर से महिला की मौत

कोमाखान, 19 सितम्बर 2022। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतिका सुखबती सागर के पति उमेंद सागर अपने टीवीएस मोटर सायकल CG04 9645 में बैठाकर छुरा रोड से अपने गांव जा रहा था कि नाला के पास मोटर सायकल को खड़ी कर पानी पेशाब के लिये रूके थे उसी दौरान चोरभट्ठी रोड सामने से मृतिका को ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर देने से उपचार के दौरान मृतिका सुखबती सागर की मृत्यु अज्ञात वाहन चालक के द्वारा वाहन को उपेक्षा व उतावलेपन से वाहन चलाकर एक्सीडेंट करने से चोंट लगने से मृत्यु कारित होना जो प्रथम दृष्टया धारा 304(A) भादवि का अपराध का घटित होना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

आज शाम दल्लीराजहरा में सीएम का रोड शो

रायपुर, 19 सितंबर 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के अंतर्गत आज बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मालीघोरी और कुसुमकसा में आम जनता से मुलाकात कर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के संबंध में फीडबैक ले रहे हैं। मुख्यमंत्री दल्लीराजहरा में आयोजित रोड-शो में शामिल होंगे और वहां विभिन्न समाज एवं संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री ने सुबह 10 बजे से गुण्डरदेही में अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री इसके पश्चात हैलीकॉप्टर से डौण्डीलोहारा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मालीघोरी पहुंचेंगे और वहां दोपहर 12 बजे से 1.30 बजे तक आम जनता से भेंट- मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री इसके पश्चात कुसुमकसा जाएंगे और वहां दोपहर 2.35 से 4.05 बजे तक आम जनता से भेंट-मुलाकात करेंगे।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 50% से ज्यादा आरक्षण को बताया असंवैधानिक

सरकार के फैसले को किया रद्द,दलील में कही ये बड़ी बात

बिलासपुर, 19 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आरक्षण मामले को लेकर बड़ा फैसला दिया है. कोर्ट ने 50% से ज्यादा आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया है. मामला 2012 का है. उस समय तत्कालीन राज्य सरकार ने सरकारी नियुक्तियों, मेडिकल इंजीनियरिंग के साथ अन्य कालेजों में एडमिशन पर 58त्न आरक्षण देने का फैसला किया था. जिस पर आज बिलासपुर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई.

इस मामले पर चीफ जस्टिस अरूप कुमार गोस्वामी और जस्टिस पीपी साहू की डिवीजन बेंच ने सरकार की 58त्न आरक्षण देने के फैसले को रद्द कर दिया. दरअसल, 2012 में तत्कालीन सरकार ने 58त्न आरक्षण देने का फैसला किया था. सरकार के इस फैसले के खिलाफ डॉ. पंकज साहू, अरुण कुमार पाठक और अन्य ने एडवोकेट मतीन सिद्दीकी, विनय पांडेय एवं अन्य के जरिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

याचिकाकर्ताओं ने निवेदन किया था कि 50त्न से ज्यादा आरक्षण सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों के खिलाफ और असंवैधानिक है. इन सभी मामलों की सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस अरूप कुमार गोस्वामी और जस्टिस पीपी साहू की डिविजन बैंच ने फैसला सुरक्षित कर लिया था.

इसी मामले पर आज इस पर आज हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आदेश दिया कि 50त्न से ज्यादा आरक्षण का प्रावधान असंवैधानिक है. कोर्ट के चीफ जस्टिस अरूप कुमार गोस्वामी और जस्टिस पीपी साहू की डिविजन बैंच ने 58% आरक्षण को रद्द कर दिया है. गुरु घासीदास साहित्य समिति ने अनुसूचित जाति का प्रतिशत घटाने का विरोध किया था। समिति का कहना था कि राज्य शासन ने सर्वेक्षण किए बिना ही आरक्षण का प्रतिशत घटा दिया है। इससे अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं को आगे चलकर नुकसान उठाना पड़ेगा। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सभी पक्षों को सुनने के बाद 7 जुलाई को फैसला सुरक्षित रखा था, जिस पर हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है।

रायपुर में स्कूल स्टाफ की जमकर पिटाई,छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और अश्लील बातें करने का आरोप

रायपुर, 19 सितम्बर 2022। राजधानी के एक शासकीय स्कूल में छात्राओं से छेड़छाड़ की शिकायत के बाद आक्रोशित परिजनों ने स्कूल स्टाफ की जमकर पिटाई कर दी। छात्राओं का आरोप है कि हेड मास्टर उन्हें गलत ढंग से टच करता है और अश्लील बातें करता है। फिलहाल गुस्साए परिजन आरोपी हेड मास्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर स्कूल परिसर में प्रदर्शन कर रहे है। जानकारी के मुताबिक, ये पूरी घटना आमानाका थाना क्षेत्र के डूमरतालाब स्थित रोटरी कौस्मो प्राथमिक शाला की है। आरोपी हेड मास्टर का नाम दिलीप कुमार भगत है। छात्राओं ने परिजनों को बताया था कि हेड मास्टर स्कूल की छात्राओं पर गलत नियत रखता है। साथ ही छात्राओं को जबरन अपने साथ घुमाने और घर लेजाकर उनके साथ छेड़छाड़ करता है। इस बात की जानकारी मिलते ही आक्रोशित छात्राओं के परिजन स्कूल पहुंचे। प्रधान पाठक के नहीं मिलने पर गुस्साएं लोगों में स्कूल स्टॉप की ही पिटाई कर दी। फिलहाल इस मामले में परिजनों की शिकायत पर आमानाका पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ विधायक दल के नेता धर्मजीत सिंह पार्टी से निष्कासित

अमित के साथ डॉ. रेणु जोगी ने विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा पत्र

रायपुर, 19 सितम्बर 2022। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जोगी)-JCCJ ने विधायक धर्मजीत सिंह को पार्टी विरोधी काम करने के आरोप में पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ की केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. रेणु जोगी और प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने रविवार रात विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत से मुलाकात की।

दोनों नेताओं ने विधानसभा अध्यक्ष को धर्मजीत सिंह को पार्टी से निष्कासित करने की सूचना देकर डॉ. रेणु जोगी को विधायक दल के नेता की मान्यता देने का आग्रह किया है। पार्टी ने धर्मजीत सिंह की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की भी सिफारिश की है।

इधर धर्मजीत सिंह ने कहा, उन्हें पार्टी के इस फैसले की लिखित सूचना नहीं मिली है। लिखित जानकारी मिलने के बाद सोमवार को वे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी बात रखेंगे।

अमित जोगी ने लगाया आरोप

अमित जोगी ने कहा कि विधायक धर्मजीत सिंह लगातार अन्य दल के संपर्क में रहकर अपने निजी स्वार्थ का ताना बाना बुनने में लगे रहे हैं। इन शिकायतों के संदर्भ में, पूर्व में अनेकों बार विधायक धर्मजीत सिंह के साथ चर्चा भी की गई पर उनके आचरण और विचार में कोई बदलाव नहीं आया।

धर्मजीत सिंह जिस पार्टी के चिन्ह पर चुनाव जीते और विधायक बने उसी पार्टी की नीतियों को त्यागने और छत्तीसगढ़वाद की क्षेत्रीय विचारधारा को मिटाने का प्रयास करने के कारण उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया है।

रायपुर में 26 सटोरिये गिरफ्तार,अलग-अलग इलाकों में पुलिस ने की छापेमारी

रायपुर, 19 सितम्बर 2022। रायपुर जिले में सट्टा एवं जुआ पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल द्वारा रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट को कार्य योजना तैयार कर इस पर अधिक से अधिक कार्यवाही करते हुए प्रभावी रूप से अंकुश लगाने आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है।

जिसके तारतम्य में आज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध अभिषेक माहेश्वरी के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम द्वारा सटोरियों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर सटोरियों के विरूद्ध ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए सट्टा संचालन करने वाले कुल 26 सटोरियों को गिरफ्तारकर उनके कब्जे से नगदी रकम 79,640/- रूपये, 11 नग मोबाईल फोन तथा सट्टा-पट्टी जप्त किया जाकर सटोरियों के विरूद्ध संबंधित थानों में कार्यवाही की गई। सटोरियों के विरूद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

ड्यूटी के दौरान आरक्षक से मारपीट,दो पर मामला दर्ज

महासमुंद, 19 सितम्बर 2022। सायबर सेल के एक आरक्षक से डयूटी के दौरान मारपीट का मामला सामने आया है. मामले की शिकायत आरक्षक ने थाने में दर्ज करवाई है. मामले में दो आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया है. सायबर सेल महासमुंद के आरक्षक पवन ठाकुर 18 सितम्बर को डयूटी के दौरान बागबाहरा झलप चौक से महासमुंद की ओर जा रहे थे, इसी दौरान करीब रात्रि 09=15 बजे बागबाहरा झलप चौक के पास महासमुंद की ओर से पीकअप वाहन क्रमांक घ्ल 06 त्नङ्ग 0831 का चालक अपने साथी के साथ वाहन को अनियंत्रित चलाते हुए आ रहा था. जिसे पवन ठाकुर ने रोककर ठीक से सीधा चलाओ किसी से एक्सीडेन्ट हो जायेगा तो कोई मर जायेगा कहा।

इसके बाद पवन ठाकुर ने उन लोगो का नाम पता पूछा तो चालक ने अपना नाम देवकिशन देवांगन दैहानीभाठा बागबाहरा एवं बगल सीट में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम नेतराम साहू दैहानीभाठा बागबाहरा का रहने वाला बताया. और नाम पता पुछने पर पवन ठाकुर को मां बहन की अश्लील गाली बकते हुए तुम कौन होते हो सवाल करने वाले और समझाने वाले बोले।

धान खरीदी को लेकर सरकार का बड़ा फैसला, कब से प्रदेश में शुरू होगी धान की खरीदी

रायपुर, 19 सितम्बर 2022। धान खरीदी को लेकर कृषि मंत्री रवींद्र चौबे का बड़ा बयान आया है। उन्होंने इस बार प्रदेश में 1 नवंबर से धान खरीदी की तैयारी की बात कही है। प्रदेश के किसान संगठन भी इस बार एक नवंबर से धान खरीदी की मांग कर रहे थे।

कृषि मंत्री ने बताया कि अधिकारियों को पहले ही इस संबंध में निर्देश दिए जा चुके हैं। रविंद्र चौबे ने बीजेपी द्वारा लिखी गई चिट्ठी को हास्यास्पद बताया और कहा कि तैयारी की जानकारी मिलते ही श्रेय लेने के लिए भाजपा द्वारा चिट्ठी लिखी जा रही है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कि वे अपनी सरकार में तो कभी एक नवंबर से धान ख़रीदी शुरू नहीं कर पाए। भूपेश सरकार किसानों की सरकार है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल किसान पुत्र हैं और किसानों के मुद्दे पर संवेदनशील हैं।

रंगीन झंडे,छत्रियों और गुब्बारों के साथ राजधानी में निकला LGBTQ प्राइड मार्च,कहा-हम भी हैं इंसान,चाहिए बस रिस्पेक्ट और एक्सेप्टेंस

रायपुर, 19 सितम्बर 2022। राजधानी की सड़कों पर रंगीन झंडे, रंगीन छत्रियों और रंगीन गुब्बारों के साथ लेस्बियन, गे, बाईसेक्सुल और ट्रांसजेंडर कम्यूनिटी के लोगों ने प्राइड मार्च निकाला। किसी ने शर्ट पर साड़ी पहन रखी थी, तो कोई दाढ़ी वाला युवक गाउन पहने नजर आया।

मितवा समिति की विद्या राजपूत ने बताया घड़ी चौक से तेलीबांधा तक निकाले गए इस मार्च में देश के अलग-अलग राज्यों से स्लक्ष्क्त समुदाय के लोग शामिल हुए। सभी ने इस कम्युनिटी से ताल्लुक रखने वालों के साथ प्यार से पेश आने, उन्हें इज्जत देने और समाज में उन्हें भी अपना स्थान देने का संदेश लिखे पोस्टर थाम हुए थे।

छत्तीसगढ़ प्राइड मार्च का आयोजन मितवा समिति और क्वीरगढ़ की तरफ से किया गया था। छत्तीसगढ़ प्राइड मार्च के आयोजन का मकसद यही था कि हम अपने बारे में सारे लोगों को बताएं। हम मौजूद हैं। समाज में हमारा भी योगदान है। हमें भी बराबरी का दर्जा मिले। बराबरी से हमारा मतलब समलैंगिक कपल शादी करें, सरकार और समाज उन्हें सुविधा दे, अपनाएं। हम भी इंसान हैं, इंसानों की ही तरह हमें भी समाज में, राज्य में रहने का हक है। हमें बस रिस्पेक्ट और एक्सेप्टेंस चाहिए।

बालोद जिले में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मालीघोरी गांव पहुंचे

- » शासकीय पॉलिटेक्निक बालोद का किया लोकार्पण
- » मालीघोरी में शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और सामुदायिक क्षेत्र के विस्तार के लिए की कई घोषणाएं
- » मालीघोरी में पशु चिकित्सालय खुलेगा और डौंडीलोहारा शासकीय महाविद्यालय में कृषि संकाय होगा शुरू
- » मोहड़ जलाशय में डुबान क्षेत्र में आये हितग्राहियों को मिलेगा मुआवज़ा
- » कोटेरा गांव के हायर सेकेंडरी और कमकापार गांव के हाईस्कूल के लिए नया भवन
- » आई.टी.आई. डौंडीलोहारा का नामकरण स्व. श्री झुमुकलाल भेंड़िया के नाम पर होगा
- » श्रद्धा के केन्द्र कुकुरदेव मंदिर का होगा जीर्णोद्धार, कई गांवों में बनेंगे मंगल भवन

रायपुर, 19 सितम्बर 2022। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज बालोद जिले में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दूसरे दिन डौंडीलोहारा विधानसभा क्षेत्र के मालीघोरी पहुंचे। यहां सबसे पहले मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कुकुरदेव मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। कुकुरदेव मंदिर से मुख्यमंत्री पदयात्रा कर भेंट मुलाकात स्थल तक पहुंचे। इस दौरान कई जगह पर लोगों ने फूल मालाओं से आरती उतारकर और कोदो अन्न से तौल कर अपने मुखिया का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी लोगों के पास पहुंचकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया, उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने मालीघोरी में कई विकास कार्यों की सौगात देने के साथ जनसामान्य की शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुविधाओं के विस्तार के लिए कई घोषणाएं की। यहां उन्होंने शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज बालोद के भवन का लोकार्पण किया। पॉलिटेक्निक में सिविल, इलेक्ट्रिकल तथा माइनिंग एंड माइन सर्वेइंग ट्रेड के पाठ्यक्रम संचालित किये जाएंगे। इससे आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने ग्राम मालीघोरी में पशु चिकित्सालय खोलने और डौंडीलोहारा शासकीय महाविद्यालय में कृषि संकाय प्रारंभ करने की भी घोषणा की। क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का दायरा बढ़ाते हुए उन्होंने घोषणा की कि डौंडीलोहारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 50 बिस्तर अस्पताल के रूप में उन्नयन किया जाएगा

और ग्राम हितापठार में उप स्वास्थ्य केंद्र खोला जायेगा। साथ ही उन्होंने स्थानीय स्तर पर धार्मिक, सामाजिक सद्भाव और श्रद्धा के केन्द्र कुकुरदेव मंदिर के जीर्णोद्धार और रेंगाडबरी, रानाखुज्जी, मंगचुआ और बनगांव में मंगल भवन बनवाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा का विस्तार करते हुए कहा कि शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बड़ा जुंगेरा का हाईस्कूल में और ग्राम किल्लेकोड़ा एवं ग्राम कोबा के हाई स्कूल का उन्नयन हायर सेकेंडरी में किया जायेगा। इसके अतिरिक्त कोटेरा गांव के हायर सेकेंडरी और कमकापार गांव के हाईस्कूल के लिये नया भवन बनाया जायेगा। उन्होंने आई.टी.आई. डौंडीलोहारा का नामकरण स्व. श्री झुमुकलाल भेंड़िया जी के नाम पर करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोहड़ जलाशय में डुबान क्षेत्र में आये हितग्राहियों के प्रकरण का निराकरण करवाकर मुआवज़ा दिलवाया जायेगा। साथ ही ग्राम मरनाभाठ में स्टॉप डेम का निर्माण करवाकर सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते कहा कि विकास के कार्य तेजी से होते रहेंगे। इस साल फसल अच्छी हुई। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरन्तर प्रयास किया जाता रहेगा। राज्य के विभिन्न शासकीय आत्मानंद स्कूल के माध्यम से अंग्रेजी शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। इन स्कूलों में वे सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है जो एक अच्छे स्कूल में होनी चाहिए। विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए स्कूलों का जीर्णोद्धार हो रहा है। गांव में ही लोगों को रोजगार मिल सके इसके लिए ग्रामीण आजीविका पार्क बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले स्थानीय स्तर पर 150 प्रकार की सामग्री उत्पादित होती थी, जो बढ़कर अब 650 हो गई है। इनका अच्छा विक्रय हो रहा है। इसका लाभ स्थानीय लोगों को हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ी परंपरा तीज त्यौहारों को विशेष महत्व दिया गया है। अब हमारा छत्तीसगढ़िया व्यंजन अतिथियों के सत्कार के लिए मंच तक पहुंचने लगा है। आदिवासियों के आस्था का केंद्र देवगुड़ियों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। रामायण कालीन महत्व के स्थानों को उनकी प्रतिष्ठा के अनुकूल स्थापित करने के लिए राम वन गमन पथ परियोजना पर तेजी से काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने तुरंत सुलझायी लोगों की समस्याएं

भेंट-मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री से डौंडीलोहारा की एक छात्रा मोनिका पटेल ने कहा, मेरे स्कूल में पर्याप्त टीचर नहीं हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूल में पर्याप्त शिक्षक नियुक्त करने दिए निर्देश दिए। मुख्यमंत्री को सविता ने बताया कि मुझे राशन बढ़िया मिल रहा है। उन्होंने कहा परसाडीह में गौठान में कक्ष चाहिए। मुख्यमंत्री ने तुरंत स्वीकृति दी। डौंडीलोहारा के स्टूडेंट की ओर से सुश्री राशि ने कहा कि हम यूपीएससी की तैयारी कर रहे है। इसके लिए एक अच्छी लाईब्रेरी होगी तो बढ़िया माहौल बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, कि आप सबकी सुविधा के लिए काम होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा - मुख्यमंत्री ने तुरंत सुलझायी लोगों की समस्याएं

डॉ. प्रशांत ने मुख्यमंत्री को बताया कि सिकलिंग पर शोध कर रहा हूँ। प्रदेश स्तर पर सुविधा मिले तो बढ़िया होगा। अमेरिका के लोग मुझे बुला रहे हैं लेकिन अपने प्रदेश के लिए काम करना चाहता हूं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आपसे उच्च अधिकारी बात करेंगे। आपकी प्रतिभा का लाभ प्रदेश हित में होगा।

मुख्यमंत्री से मिलने आए स्थानीय लोगों ने जहां योजनाओं का लाभ मिलने पर आभार जताया, वहीं श्री बघेल ने भी बातों-बातों में लोगों से जन-सुविधाओं के बारे में जानकारी ले ली। उन्होंने कहा कि आप लोगों के सरोकारों से परिचित होने और सुख-दुख बांटने आया हूं। हमने कर्जमाफी की। न्याय योजना लाई। कोरोना के कठिन समय में भी आपके लिए लाई योजनाएं जारी रही। राजीव गांधी किसान न्याय योजना में 4 किश्त में पैसे दिए और ऐसे समय में दिए जब सबसे ज्यादा जरूरत होती है। जरूरतों के मुताबिक समय-समय पर किश्त की राशि दी गई है। तीजा के पहले, ताकि बेटी अपने लिए खरीदी कर सके। दीवाली के समय ताकि त्योहार बढ़िया हो जाये।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)